RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 27 डिग्री
न्युनतम तापमान 17 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 26 डिग्री
न्युनतम तापमान 16 डिग्री

बुधवार 05 नवंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :36 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 33 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 डंकी रूट से लूट : युवाओं के सपनों की तस्करी

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 17 | अंक : 019 | गाजियाबाद, बुधवार 05 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Paytm
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online
www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा
व अन्य रसोई मसाले

आतंकी हमले के छह माह बाद पहलगाम में फिल्म की शूटिंग शुरू

✷ वेबवार्ता. श्रीनगर ✷। पहलगाम आतंकी हमले के छह माह बाद कश्मीर की वादियों में एक बार फिर फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी और तब से घाटी में सुनसान पड़ी थी। अप्रैल में हुआ था आतंकी हमला 22 अप्रैल को आतंकी हमले की चपेट में आए दक्षिणी कश्मीर के अनंतनाग जिला स्थित पहलगाम रिसॉर्ट में तेलुगू फिल्म की शूटिंग शुरू हुई। विमल कृष्ण के निर्देशन में कॉमेडी फिल्म के दृश्य या शूट किए गए। निर्देशक ने बताया पर्यटकों और फिल्म की शूटिंग के लिए कश्मीर पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने कहा, 'मैं प्रत्येक कश्मीरी को शुक्रिया कहना चाहता हूं। आतंकी हमले के बाद शूटिंग के लिए आने वाले हम पहली टीम हैं। यह अब सौ फीसदी सुरक्षित है। उम्मीद करता हूं कि जल्द ही यहां पर्यटक पहुंचेंगे।' निर्देशक ने बताया कि यहां की सरकार, सुरक्षाबल और खासकर यहां के स्थानीय लोगों की ओर से बेहतर सहयोग और इंतजाम मुहैया कराए गए।

अदालती फैसले के बाद एयरटेल करेगी सरकार से संपर्क

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल उच्चतम न्यायालय के नए आदेश को ध्यान में रखते हुए समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) मामले में एक बार फिर सरकार से राहत की मांग करेगी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को अपने एक आदेश में कहा था कि सरकार दूरसंचार कंपनियों के लंबित एजीआर बकाये का पुनर्मिलान करने के साथ उन पर पुनर्विचार भी कर सकती है। यह प्रक्रिया केवल वित्त वर्ष 2016-17 ही नहीं, बल्कि सभी वर्षों के बकाया एजीआर पर लागू होगी। इससे पहले शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को कर्जग्रश्त कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के 2016-17 के लिए करीब 5,606 करोड़ रुपये के एजीआर बकाये के पुनर्मिलान की अनुमति दी थी।

'पॉक्सो' के दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंतित जताई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वैवाहिक विवादों और किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों के मामलों में पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम का दुरुपयोग किया जा रहा है। साथ ही अदालत ने लड़कों और पुरुषों में इन कानूनों के संबंध में जागरूकता फैलाने की जरूरत पर जोर दिया। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दुष्कर्म के खिलाफ दंडात्मक प्रावधानों और पॉक्सो अधिनियम के बारे में लोगों को संवेदनशील बनाने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया था ताकि देश को लड़कियों और महिलाओं के लिए एक बेहतर स्थान बनाया जा सके। पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि हम एक बात कहना चाहेंगे। वैवाहिक विवादों के और किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों से जुड़े मामलों में पॉक्सो अधिनियम का दुरुपयोग किया जा रहा है। हमें लड़कों और पुरुषों में कानूनी प्रावधानों के बारे में जागरुकता फैलानी चाहिए।

डीजीसीए कंपनियों के साथ करेगा मासिक समीक्षा बैठकें

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) मंगलवार से तीन दिन तक विमान कंपनियों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें करेगा। बैठकों में समय पर कार्य निष्पादन, उड़ान की समय सीमाएं, ग्राहक शिकायतों का निवारण तथा विमान कंपनियों के समक्ष आने वाले मुद्दों सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा होने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि ये डीजीसीए द्वारा आयोजित मासिक समीक्षा बैठकें हैं। मंगलवार को एयर इंडिया और इंडिगो के लिए समीक्षा बैठकें होंगी।

भारत तेजी से बढ़ती विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था: राष्ट्रपति मुर्मु

✷ वेबवार्ता. नैनिताल ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था विश्व में तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और यह निरंतर प्रगति करे, इसके लिए केन्द्र सरकार कई नीतिगत कदम उठा रही है।

श्रीमती मुर्मु ने कुमाऊं विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मंगलवार को कहा कि सरकार के कदमों से युवाओं के लिये भी अनेक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि इन अवसरों का लाभ उठायें। उन्होंने कहा कि देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध, नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के साथ ही युवाओं के प्रशिक्षण के लिये भी समुचित कदम उठाये जाने चाहिए, ताकि युवा उनका भरपूर उपयोग कर सकें।

राष्ट्रपति ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा से कमाये धन को वंचित वर्ग और देश की सेवा के लिये दान करना चाहिए। यही सच्चा धर्म है। उन्होंने कहा, "अन्न दानं परम दानं, विद्या दानमतः परम। अन्नेन क्षणिका तृप्तिः यावज्जीवं च विद्यया।। अर्थात विद्या दान अन्न दान से श्रेष्ठ दान है और उससे जीवन भर परम संतुष्टि मिलती है। "

उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी देश की आधारशिला होती है। इसलिये शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जिससे बौद्धिकता के साथ नैतिक बल और चरित्र बल मजबूत हो। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सरकार को भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये देश के युवाओं की संकल्पशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिये विकसित राष्ट्र बनाने में अपना योगदान दें।

उन्होंने कुमाऊं विश्वविद्यालय के शिक्षकों और शोधार्थियों से भी कहा कि शिक्षा के साथ ही हम सभी का सामाजिक दायित्व भी है और वह अपने आसपास के गांवों में जायें और कुछ गांवों को गोद लेकर उनकी समस्याओं का समाधान करें।

श्रीमती मुर्मु ने कहा, " उत्तराखंड महान वीरों की भूमि के साथ ही ज्ञान और संस्कृति और देवताओं और ऋषि मुनियों की धरती है। यहां नदियों और जंगलों की अकूत संपदा है। मैं यहां आकर अभिभूत हूं। उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनकी उज्ज्वल भविष्य की कामना की। "

इससे पहले राष्ट्रपति ने नैनीताल की प्रसिद्ध नयना देवी मंदिर और कैंची धाम के दर्शन किये तथा राजभवन नैनीताल के मुख्य द्वार का शिलान्यास किया। इस दौरान प्रदेश के राज्यपाल गुरमीत सिंह और उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत भी मौजूद थे।

अमेरिकी सीनेट में पेश हायर विधेयक भारत के लिए चिंताजनक : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने कहा है कि अमेरिकी सीनेट में हायर विधेयक पेश किया गया है जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका हो सकता है, इसलिए हमारी सरकार को इसकी चुनौतियों से निपटने की रणनीति पर विचार करना चाहिए।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने मंगलवार को यहां एक बयान में कहा कि अमेरिकी सीनेट में सोमवार को ओहायो के सीनेटर बर्नी मोरेनो ने अंतरराष्ट्रीय रोजगार स्थानांतरण अधिनियम को रोकने वाला हाल्टिंग इंटरनेशनल रीलोकेशन ऑफ़ एंप्लॉयमेंट एक्ट, जिसे सरल भाषा में हायर विधेयक कहा जा सकता है, को सदन में पेश किया है और यदि विधेयक पारित होता है तो भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका गहरा असर पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि इस विधेयक को सीनेट की वित्त समिति के पास भेजा गया है। इसमें उन सभी अमेरिकी व्यक्तियों और कंपनियों पर 25 प्रतिशत टैक्स लगाने का प्रावधान है, जो विदेशी कंपनियों या व्यक्तियों को ऐसे काम के लिए भुगतान करते हैं, जिसका प्रत्यक्ष लाभ अमेरिकी उपभोक्ताओं को मिलता है। इस विधेयक को आउटसोर्सिंग भुगतान की नयी परिभाषा के रूप में पेश किया गया है।

श्री रमेश के अनुसार विशेषज्ञ मानते हैं कि यह विधेयक भारत के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेक्टर, बीपीओ, कंसल्टिंग सेवाओं और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है।

भारत ही नहीं आयरलैंड, इज़रायल और फ़िलीपीन्स जैसे देशों को भी इससे नुकसान हो सकता है, लेकिन इसका सबसे बड़ा असर भारत के सेवा निर्यात उद्योग पर पड़ने की आशंका जतायी जा रही है, जो पिछले 25 वर्षों से हमारी अर्थव्यवस्था का सबसे मजबूत श्तंभ रहा है।

विधेयक पर चिंता व्यक्त करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि यह कदम अमेरिका में बढ़ती उस सोच को दर्शाता है, जिसके अनुसार ब्लू-कॉलर नौकरियां चीन को 'खो' दी गयीं और अब व्हाइट-कॉलर नौकरियां भारत को नहीं सौंपनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों को कई झटके लगे हैं और हायर विधेयक उसी क्रम की एक और कड़ी है।

उन्होंने यह भी कहा कि विधेयक अपने वर्तमान स्वरूप में पास हो भी सकता है या इसमें संशोधन भी किया जा सकता है। यदि यह विधेयक हकीकत में बदलता है तो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती खड़ी हो सकती है और भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों में एक 'न्यू नॉर्मल' की स्थिति बन सकती है।

उन्होंने कहा कि सीनेटर मोरेनो का यह प्रश्ताव अमेरिकी राजनीतिक और आर्थिक गलियारे में गंभीर बहस की वजह बन सकता है, लेकिन भारतीय आईटी उद्योग और नीति-निर्माताओं की नजरें अब विधेयक की आगे की स्थिति पर रहेगी।

शेयर बाजारों में चौतरफा बिकवाली सेंसेक्स 519 अंक लुढ़का

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷

विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को गिरावट रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 519.34 अंक (0.62 प्रतिशत) टूटकर 15 अक्टूबर के बाद के निचले श्तर पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 165.70 अंक यानी 0.64 प्रतिशत लुढ़ककर 25,597.65 अंक पर बंद हुआ। यह इसका 16 अक्टूबर के बाद का निचला श्तर है।

बाजार में आज चौतरफा बिकवाली रही और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों के सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। धातु, आईटी, ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, रियलिटी, बैंकिंग और स्वास्थ्य समूहों में ज्यादा गिरावट देखी गयी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा पिछले सप्ताह नीतिगत ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती और दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर में आज रही तेजी से भारतीय शेयर बाजार दबाव में हैं। एनएसई में कुल 3,181 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें 2,062 के शेयर लाल निशान में और 1,034 के हरे निशान में बंद हुए जबकि 85 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। मझौली और छोटी कंपनियां भी दबाव में रहीं। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.51 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.82 फीसदी टूट गया।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 25 के शेयर लाल निशान में बंद हुए। पावर ग्रिड में सबसे अधिक 3.13 प्रतिशत की गिरावट रही। इटरनल का शेयर 2.79 फीसदी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 2.53, टाटा स्टील का 1.86, मारुति सुजुकी का 1.76 और बीईएल का 1.69 प्रतिशत टूट गया। एलएंडटी में 1.48 प्रतिशत, एनटीपीसी में 1.34, आईटीसी में 1.29, इंफोसिस में 1.17, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.15,ट्रेंट में 1.12, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 1.05 और एशियन पेंट्स में 1.02 प्रतिशत की गिरावट रही। कोटक महिंद्रा बैंक, टीसीएस, सनफार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनीलिवर और एक्सिस बैंक के शेयर भी लाल निशान में रहे।

मंगोलिया में फंसे यात्रियों को लाने एयर इंडिया रवाना

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

टाटा समूह की विमान सेवा एयर इंडिया ने मंगोलिया के उलान-बटोर में फंसे अपने 228 यात्रियों को लाने के लिए मंगलवार को एक राहत उड़ान रवाना की। एयरलाइंस के एक प्रवक्ता ने आज बताया कि राहत उड़ान बुधवार सुबह यात्रियों के लेकर दिल्ली लौटेगी।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रही उड़ान एआई174 को विमान में तकनीकी खराबी के कारण सतर्कता बरतते हुए सोमवार (03 नवंबर) को स्थानीय समय के अनुसार, रात 7:59 बजे उलान-बटोर में उतारा गया था।

विमान ने 02 नवंबर को सैन फ्रांसिस्को से उड़ान भरी थी और उसके कोलकाता होते हुए दिल्ली आना था। राश्ते में विमान में खराबी का पता चलने के बाद पायलटों मे उसे उलान-बटोर में उतारने का फैसला किया।

लैडिंग से एक घंटे पहले ही हवाई अड्डे को इसकी सूचना दे दी गयी थी। विमान उलान-बटोर हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरा। प्रवक्ता ने बताया कि मंगोलिया में भारतीय दूतावास और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर एयर इंडिया यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को हर तरह की सहायता मुहैया करा रही है। उन्हें होटल में ठहराया गया है और दिल्ली लाने के लिए वैकल्पिक उड़ान के बारे में जानकारी दी गयी है। इससे पहले, एयर इंडिया के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया था कि उड़ान संख्या एआई 174 के पायलटों ने एक तकनीकी खामी की आशंका के मद्देनजर सतर्कता बरतते हुए विमान को उलान-बटोर हवाई अड्डे पर लैंड कराने का फैसला किया।

बिलासपुर में मेमू ट्रेन मालगाड़ी से टकराई चार की मौत

✷ वेबवार्ता. बिलासपुर ✷

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में यात्री ट्रेन और मालगाड़ी के बीच मंगलवार को हुई टक्कर से चार लोगों की मौत हो गई। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि घटना शाम करीब चार बजे हुई।

अधिकारियों ने बताया की मेमू ट्रेन ने पीछे से मालगाड़ी को टक्कर मारी। हादसे में कई लोग घायल हैं। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि मेमू ट्रेन कोरबा जिले के गेवरा से बिलासपुर जा रही थी।

इसी दौरान मेमू ने मालगाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी। बिलासपुर के जिलाधिकारी संजय अग्रवाल ने बताया कि घायलों को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादस में घायल एक व्यक्ति की हालत गंभीर है।

टक्कर इतनी तेज थी कि यात्री ट्रेन का कोच मालगाड़ी पर चढ़ गया। रेलवे ने हादसे में मारे गए लोगों के परिवारीजनों को दस लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल यात्रियों को पांच लाख और तथा सामान्य रूप से घायल यात्रियों को एक लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

रेल हादसे के बाद दक्षिण पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। अधिकारियों की एक टीम राहत और बचाव कार्य की निगरानी कर रही है। हेल्पलाइन नंबर जारी बिलासपुर - 7777857335, 7869953330 चांपा - 8085956528 रायगढ़ - 9752485600 पेंड्रा रोड - 8294730162 कोरबा - 7869953330 उसलापुर- 7777857338

बिहार में प्रथम चरण के 121 विधानसभा क्षेत्र में थम गया प्रचार का शोर

✷ वेबवार्ता. पटना ✷

बिहार में 121 विधानसभा सीटों पर प्रथम चरण के तहत 06 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए आज शाम प्रचार का शोर थम गया। प्रत्याशी जनसम्पर्क कर वोट जुटाने में लगे हैं।

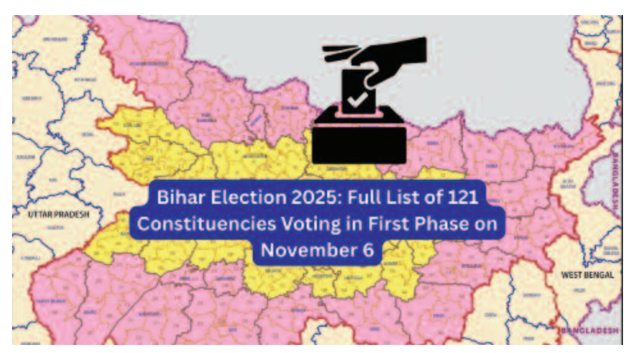

पहले चरण के चुनाव में राष्ट्रीय जनतंत्रिक गठबंधन (राजग) से जिन दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है, उनमें दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, 15 मंत्री विजय कुमार चौधरी, श्रवण कुमार, मंगल पाण्डे,मदन सहनी, नितिन नवीन, महेश्वर हजारी, सुनील कुमार, रत्नेश सदा,केदार प्रसाद गुप्ता, सुरेन्द्र मेहता, संजय सरावगी, डा. सुनील कुमार, जिवेश कुमार, राजू कुमार सिंह और कृष्ण कुमार मंटू के अलावा बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेन्द्र नारायण यादव, राम कृपाल यादव, श्याम रजक, अनंत सिह, अमरेन्द्र पांडेय, हरिनारायण सिंह, उमेश कुशवाहा और श्रेयसी सिंह शामिल हैं। इसी तरह महागठबंधन से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के अलावा अवध बिहारी चौधरी,डा. रामानंद यादव, वीणा देवी,ललित कुमार यादव,विजेन्द्र चौधरी, रेणु कुशवाहा, खेसारी लाल यादव,आलोक मेहता,भाई वीरेन्द्र, अनिरूद्ध यादव,अवधेश राय के नाम शामिल है।इसके अलावा तेज प्रताप यादव, आईपी गुप्ता, शिवदीप लांडे,आनंद मिश्रा, वी.के.रवि, जयप्रकाश सिंह, आर.के.मिश्रा, राम नारायण सिंह, पुष्पम प्रिया, के.सी. सिन्हा समेत अन्य की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुयी है।

प्रथम चरण में 121 विधानसभा क्षेत्रों के मतदान में 06 नवंबर को 45341 मतदान केंद्रों पर तीन करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर 122 महिला और 1192 पुरुष प्रत्याशी समेत कुल 1314 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में बंद कर देंगे। मतदाताओं में एक करोड़ 98 लाख 35 हजार 325 पुरुष, एक करोड़ 76 लाख 77 हजार 219 महिला और 758 तीसरे जेंडर के लोग शामिल हैं। पहले चरण के चुनाव में सबसे अधिक 20 उम्मीदवार कुढ़नी और मुजफ्फरपुर में वहीं भोरे, अलौली और परबत्ता में सबसे कम पांच प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे हैं।

शेष पृष्ठ दो पर »»»

तेलंगाना : अजहरुद्दीन अल्पसंख्यक और उद्यम मामलों के मंत्री बने

✷ वेबवार्ता. हैदराबाद ✷

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन को तेलंगाना के अल्पसंख्यक कल्याण और सार्वजनिक उद्यम विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई। मुख्य सचिव के रामकृष्णा राव ने मंगलवार को इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी किया। अजहरुद्दीन ने 31 अक्तूबर को रेवंत रेड्डी के मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में शपथ ली थी।

तेलंगाना सरकार ने अगश्त के आखिरी हफ्ते में अजहरुद्दीन को राज्यपाल कोटे के तहत विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) मनोनीत किया था। हालांकि, राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने अब तक इस नियुक्ति को मंजूरी नहीं दी है। अभी भी दो पद खाली अजहरुद्दीन को जिम्मेदारी सौंपने से पहले सार्वजनिक उद्यम विभाग मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के पास था, जबकि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग का प्रभार अदलुरी लक्ष्मण कुमार संभाल रहे थे।

तेलंगाना मंत्रिमंडल में मंत्रियों की संख्या अजहरुद्दीन के शामिल होने के बाद 16 हो गई और अब भी दो पद खाली हैं। विधानसभा सदस्यों की संख्या के अनुसार, तेलंगाना में 18 मंत्री हो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

गोवा के रेस्तरां में यूपी के परिवार पर हमला, बगल की टेबल पर बची दारू पीने पर विवाद

गोवा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी से गोवा में छुट्टियां मनाने गए एक परिवार पर यहां के लोकप्रिय रेस्तरां में हमला किया गया है। उत्तर गोवा के रेस्तरां में वहां के मैनेजर और बाउंसरों ने ही हमला किया। पुलिस ने रेस्तरां मैनेजर और बाउंसरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मामला बगल की टेबल पर किसी अन्य ग्राहक द्वारा छोड़े गए ड्रिंक (दारू) को पीने के बाद हुआ। परिवार का हालांकि कहना है कि गलतफहमी के कारण ड्रिंक लिया गया था। इसी को लेकर मैनेजर, वेटर और कुछ बाउंसरों ने उन पर हमला किया। शिकायतकर्ता ने बताया कि एक बाउंसर ने उसे थप्पड़ मारा और उसकी शर्ट खींचने की कोशिश की, जबकि उसके भाई को लोहे की छड़ी से मारा गया। पुलिस के अनुसार वाराणसी का यह परिवार शनिवार रात करीब 11:30 बजे समुद्र तट के पास स्थित एक लोकप्रिय क्लब में डिनर करने गया था। वहां उन्होंने एक टेबल ली। पास की टेबल पर कुछ बचा हुआ खाना और ड्रिंक रखा था, जिसे पहले के ग्राहक छोड़ गए थे। परिवार के एक सदस्य ने गलती से समझा कि वह भी उनके लिए है और उस ड्रिंक को पी लिया। इसके बाद मैनेजर आया और गाली-गलौज करने लगा। बाउंसरों से हम लोगों को उठाकर बाहर फेंकने की बातें कहने लगा।

प्रियंका चाहर चौधरी नागिन 7 में नई नागिन रानी के तौर पर सिंहासन पर बैठीं

मुंबई, एजेंसी। कई महीनों की अटकलों, फैन थ्योरीज़ और नागमयी रहस्यों के बाद आखिरकार पर्दा उठ गया है! कलर्स ने अपने सबसे चर्चित शो 'नागिन 7' की नई नागिन का चेहरा उजागर कर दिया है – और वह कोई और नहीं बल्कि मोहक, आत्मविश्वासी और करिश्माई प्रियंका चाहर चौधरी हैं! यह लॉन्च हुआ कलर्स के 'बिग बॉस 19' के मंच पर, सलमान खान की मौजूदगी में – वही मंच, जिसने प्रियंका को सीज़न 16 में देशभर में लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचाया था, जब वह शीर्ष तीन फाइनलिस्ट में शामिल हुई थीं। वह पल पुरानी यादों से भरा था – एक बार फिर उसी मंच पर लौटना जिसने उन्हें घर-घर का नाम बनाया, लेकिन इस बार एक नए अवतार में – भारतीय टेलीविज़न की सबसे प्रतिष्ठित भूमिकाओं में से एक के रूप में। अपने धमाकेदार लॉन्च पर प्रियंका चाहर चौधरी ने कहा – मुझे आज भी याद है जब 'बिग बॉस 16' के दौरान एकता मैम ने कहा था कि उन्होंने अपनी अगली नागिन ढूंढ ली है – और अब, जब उन्होंने अपना वादा निभाते हुए मुझे इस लीजेंडरी भूमिका के लिए चुना, तो यह मेरे लिए सम्मान की बात है। कुछ भूमिकाएं ऐसी होती हैं जो एक अभिनेता को केवल किरदार नहीं, बल्कि उसकी क्षमता, उसकी आत्मा और उसकी सीमाओं को परखने पर मजबूर करती हैं – 'नागिन' मेरे लिए वैसी ही भूमिका है। इस यूनिवर्स की ज़िम्मेदारी लेना मेरे लिए बहुत बड़ा अवसर है, और मैं इसे पूरी लगन से निभाऊंगी।

अमिताभ गणेकर बनेंगे एण्डटीवी के सुपर नैचुरल कॉमेडी शो 'घरवाली पेड़वाली' में मामा जी!

मुंबई, एजेंसी। एण्डटीवी का शो 'घरवाली पेड़वाली' हँसी, रोमांच और पारिवारिक ड्रामा का परफेक्ट मिश्रण पेश करने के लिए तैयार है। इस मज़ेदार कलाकारों की टोली में अब शामिल हुए हैं प्रतिभाशाली और बहुमुखी अभिनेता अमिताभ गणेकर, जो मामा जी के रोल में नजर आएँगे। उनका किरदार, जिसे शो में प्यार से पनौती मामा के नाम से जाना जाएगा, बेहद मज़ाकिया, और बातूनी है। यह मजेदार और कभी-कभी अजीब हरकतें करने वाला किरदार है, जो दर्शकों को जोर-जोर से हँसने पर मजबूर कर देगा। अमिताभ गणेकर ने शो के साथ जुड़ने पर अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, मैं घरवाली पेड़वाली' का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हूँ! यह सिर्फ शुरुआत है, और धमाल अभी बहुत आने वाला है। मैंने पहले हॉरर या सुपरनैचुरल जॉनर में काम नहीं किया है, इसलिए यह मेरे लिए पूरी तरह नया अनुभव है। जब मैंने शो का कॉन्सेप्ट सुना, तो मुझे तुरंत इसमें शामिल होने की इच्छा हुई। शो का वाराणसी में सेट होना मेरे लिए और खास है, क्योंकि मैंने वहीं अपनी पढ़ाई और एक्टिंग ट्रेनिंग की है। इसलिए यह मौका मिलते ही मैंने इसे तुरंत स्वीकार कर लिया।

आईपीएल जैसे मॉडल से कुश्ती में आएगा नया दौर

कुश्ती हमारी परंपरा और संस्कृति की विरासत है: बृजभूषण शरण

भारत की प्रो रेसलिंग लीग 2026 में शानदार वापसी के लिए तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी।
भारतीय खेल जगत में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारतीय कुश्ती महासंघ ने प्रो रेसलिंग लीग की वापसी की घोषणा की है। 2019 के सफल सीज़न के बाद अब यह लीग 2026 में एक नए जोश और ऊर्जा के साथ लौट रही है। इस बार पीडब्ल्यूएल को एक मजबूत सार्वजनिक-निजी साझेदारी मॉडल के तहत आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य भारतीय पहलवानों को वैश्विक मंच देना, देश के ओलंपिक सपनों को नई दिशा देना और भारतीय कुश्ती की मातृ शक्ति' को सशक्त बनाना है। यह लीग जनवरी 2026 के मध्य से शुरू होने की तैयारी में है, जो कुश्ती में एक नया स्वर्णिम अध्याय लिखने का वादा करती है। आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस लीग की आधिकारिक घोषणा की गई, जिसमें भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने भारतीय कुश्ती के इस नए अध्याय की औपचारिक शुरुआत की

और कहा कि यह पहल भारतीय पहलवानों के लिए एक बार फिर बड़ा मंच तैयार करेगी। लीग की दिशा और उद्देश्य को बताते हुए मुख्य अतिथि श्री बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, कुश्ती भारत में सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि हमारी परंपरा और संस्कृति की विरासत है। वर्षों से मैंने देखा है कि हमारे अखाड़ों में कितना अद्भुत प्रतिभायें छिपी है, जिसे सही मंच नहीं मिल पाता। प्रो रेसलिंग लीग की वापसी उस मंच को फिर से स्थापित करेगी, जहाँ भारतीय कुश्ती को वैश्विक और पेशेवर पहचान मिलेगी। यह लीग हर उस युवा पहलवान के सपने को साकार करने का माध्यम बनेगी, जो स्थानीय अखाड़े से अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचना चाहता है। हमारा लक्ष्य है कि यह लीग दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित कुश्ती लीग बने। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष श्री संजय कुमार सिंह ने कहा, आईपीएल ने यह साबित किया कि एक संगठित लीग किस तरह देश की प्रतिभाओं को सामने लाकर उन्हें विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का मौका दे सकती है। प्रो रेसलिंग लीग 2026 उसी सफलता को दोहराने की हमारी प्रतिबद्धता है। यह लीग हमारे नए ओलंपिक, एशियाई खेलों और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के पदक विजेताओं की नर्सरी बनेगी। साथ ही, यह पहल हमारी %मातृ शक्ति' को भी नई दिशा देगी, जिससे महिला पहलवानों को बराबरी का सम्मान, अवसर और निवेश मिल सके। हमारा उद्देश्य है कि भारत की बेटियाँ आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय मंच पर कुश्ती की नई पहचान बनें। लीग का एक प्रमुख उद्देश्य लैंगिक समानता (जेंडर इक्वलिटी) को बढ़ावा देना है। यह लक्ष्य उस वैश्विक बदलाव के अनुरूप है, जो हाल ही में 2024 पेरिस ओलंपिक में महिला पहलवानों की ऐतिहासिक उपलब्धियों से साफ झलकता है।

देश का सबसे सस्ता मुआवजा! किसान की मिट गई पूरी फसल

सरकार से मिले बस 2 रुपये

पालघर, एजेंसी।
महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक किसान ने सोमवार को दावा किया कि बेमौसम बारिश से फसलों के नुकसान के लिए उसे राज्य सरकार से सिर्फ 2.30 रुपये का मुआवजा मिला है। वाडा तालुका के शिलोत्तर गांव के मधुकर बाबूराव पाटिल ने अपने धान के खेतों को हुए भारी नुकसान के लिए मुआवजे की मांग करते हुए एक आवेदन जमा किया।

पाटिल ने कहा, 'इस मौसम में लगातार बारिश ने धान की फसल को बुरी तरह प्रभावित किया, जिससे फसल पानी में डूब गई और सड़ गई। यहां तक कि पुआल भी काला पड़ गया, जिससे पशुओं के लिए चारे की कमी पैदा होकर संकट और गहरा गया। इतने बड़े नुकसान के बावजूद, मुझे यह देखकर हैरानी हुई कि मेरे बैंक खाते में सिर्फ 2.30 रुपये ही जमा हुए।'

पाटिल के नाम और उनकी पत्नी व बेटियों के नाम 11 एकड़ जमीन है। शिवसेना (ङ्गङ्ग) प्रमुख उद्धव ठाकरे की मुंबई में आज हुई प्रेस वार्ता में भी पाटिल का मुद्दा उठा। ठाकरे ने कहा, 'यह मजाक है कि पालघर के किसानों को फसल बीमा मुआवजे के तौर पर सिर्फ 2 रुपये और कुछ पैसे मिले हैं।' ठाकरे ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री से केंद्रीय सहायता के लिए प्रस्ताव भेजने को कहा था, लेकिन मुझे नहीं लगता कि ऐसा कोई प्रस्ताव भेजा गया है। यह मजाक है कि पालघर के किसानों को फसल बीमा मुआवजे के रूप में केवल दो रुपये और कुछ पैसे मिले हैं। राज्य सरकार को तत्काल ऋणमाफी की घोषणा करनी चाहिए और प्रभावित किसानों को प्रति हेक्टेयर 50,000 रुपये की सहायता प्रदान करनी चाहिए।'

ठाकरे ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बाढ़ और बारिश प्रभावित किसानों की कर्जमाफी पर अगले साल 30 जून तक फैसला करने की घोषणा कर उनका मखौल उड़ा रही है। मराठवाड़ा में सितंबर के अंतिम सप्ताह में भारी बारिश हुई, जिससे कई हजार हेक्टेयर में लगी फसलें नष्ट हो गईं।

सत्तारूढ़ महायुति ने विधानसभा चुनाव से पहले प्रचार के दौरान किसानों का कर्ज माफ करने का वादा किया था।

भारत-फ्रांस सहयोग के नए क्षेत्र के रूप में उभर रहा पूर्वोत्तर - ज्योतिरादित्य सिंधिया

गुवाहाटी, एजेंसी।
केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को यहां भारत-फ्रांस पूर्वोत्तर निवेश फोरम में शिरकत की। उन्?होंने अपने संबोधन के दौरान कहा कि पूर्वोत्तर तेजी से भारत-फ्रांस सहयोग के नए क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने इस फोरम को 'विजन और उद्यम के बीच एक सेतु' बताया, जो भारत और फ्रांस के बीच स्थायी साझेदारी का जश्न मनाता है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी न केवल संधियों से, बल्कि विश्वास से भी बंधी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत-फ्रांस संबंध दुनिया की सबसे व्यापक रणनीतिक साझेदारियों में से एक बन गए हैं, जिसमें 'रणनीति को आत्मा से और नवाचार को समावेशिता से' जोड़ा गया है।

उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि रक्षा और अंतरिक्ष सहयोग से लेकर स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल परिवर्तन और टिकाऊ शहरों तक, यह साझेदारी वैश्विक प्रगति के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सिंधिया ने

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद द्वारा शुरू किया गया अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (2015), स्मार्ट शहरों और शहरी बुनियादी ढांचे में सहयोग, आत्मनिर्भर भारत के साथ राफेल साझेदारी, और पेरिस के एफिल टॉवर (2024) में यूपीआई का शुभारंभ शामिल है, जिसने भारत की फिनटेक क्रांति को यूरोप तक पहुंचाया। उन्होंने कहा, 'आज, हम उस प्रकाश को भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र तक पहुंचा रहे हैं, जो तेजी से भारत-फ्रांस सहयोग के नए क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। सिंधिया ने जोर देकर कहा कि कभी चारों ओर से भूमि से घिरा हुआ माना जाने वाला यह क्षेत्र अब 'भूमि से जुड़ा हुआ।

बांग्लादेश सीमा पर नहीं रहेंगे कंटीले तार

सांसद के बयान से मुश्किल में भाजपा, टीएमसी को मौका

कोलकाता, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। राणाघाट से बीजेपी सांसद जगन्नाथ सरकार के एक बयान ने न केवल विपक्ष को हथियार दे दिया है, बल्कि उनकी अपनी पार्टी को भी असहज कर दिया है। एक वायरल वीडियो में सरकार ने कहा कि अगर 2026 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी सत्ता में आती है, तो भारत-बांग्लादेश सीमा पर कंटीली तारों की बाड़ नहीं रहेगी। यह बयान न केवल सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर सवाल खड़े कर रहा है, बल्कि बीजेपी की उस नीति पर भी तंज कस रहा है, जिसमें वे अवैध घुसपैठियों को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर लगातार हमलावर हैं। फिलहाल पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इस मुद्दे पर अब तक चुप्पी साध रखी है, जबकि तृणमूल

कांग्रेस ने इसे लेकर बीजेपी पर तीखा हमला बोला है।

राणाघाट से सांसद जगन्नाथ सरकार ने रविवार को इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए अपने बयान पर कायम रहते हुए कहा कि उनका आशय सीमा सुरक्षा से नहीं, बल्कि विकास और समृद्धि से था। उन्होंने कहा कि मेरा रुख वही है। अभी भारत-बांग्लादेश सीमा पर कंटीली तारों की जरूरत है, लेकिन जब बीजेपी पश्चिम बंगाल में सत्ता में आएगी और बंगाल तरक्की करेगा, तब बांग्लादेश खुद देखेगा कि हम कितने आगे बढ़ गए हैं। तब सीमा पर तार की कोई जरूरत नहीं रह जाएगी। 30 अक्टूबर को कृष्णागंज में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दिए गए उनके भाषण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में वह कहते सुने गए, 'हम वादा करते हैं कि अगर इस बार हम चुनाव जीतते हैं, तो भारत और बांग्लादेश के बीच की कांटेदार तार वाली बाड़ खत्म हो जाएगी। हम पहले एक थे और भविष्य में फिर से एक हो जाएंगे।' इस बयान के बाद टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने बीजेपी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर लिखा कि बीजेपी की दोहरी नीति अपने चरम पर है। एक ओर राणाघाट के सांसद कहते हैं कि बीजेपी की सरकार बनने पर भारत-बांग्लादेश की सीमाएं खत्म हो जाएंगी और दोनों देश फिर एक हो जाएंगे, वहीं दूसरी ओर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इसी सीमा की 'सुरक्षा' के लिए राज्य सरकार को दोष देते हैं। बीजेपी की चुप्पी यह संकेत देती है कि यह बयान शीर्ष नेतृत्व की सहमति से दिया गया है।अभिषेक बनर्जी के आरोपों का जवाब देते हुए जगन्नाथ सरकार ने कहा कि उनके बयान को संदर्भ से अलग पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक समय हम एक ही थे। बांग्लादेश का जन्म भारत से ही हुआ। जब बंगाल फिर 'शोनार बांग्ला' बनेगा, तब बांग्लादेश खुद हमारे विकास को देखकर महसूस करेगा कि उन्हें भी हमारे साथ होना चाहिए।

हरियाणा:1984 सिख दंगा में मारे गए राज्य के प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को नौकरी देने का रास्ता साफ

चंडीगढ़, एजेंसी।
हरियाणा सरकार ने 1984 सिख दंगा में मारे गए राज्य के प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को नौकरी देने का रास्ता साफ कर दिया है। मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में पीड़ितों के परिजन को अनुकंपा के आधार पर नौकरी देने के लिए संविदा कर्मियों की तैनाती नीति 2022 में संशोधन को मंजूरी दे दी गई। गौरतलब है कि सीएम सैनी ने अगस्त में ही राज्य विधानसभा में इसकी घोषणा की थी।

मंत्रिमंडल की तरफ से पास किए गए प्रस्ताव के तहत संविदा कर्मियों की तैनाती नीति में एक नया प्रावधान शामिल किया गया है। इसके तहत प्रत्येक दंगा पीड़ित परिवार में सर्वसम्मति से एक सदस्य को नौकरी दी जाएगी। प्रस्ताव के मुताबिक, इन सदस्यों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) की ओर से उनकी शैक्षिक योग्यता और पात्रता मानदंडों के आधार पर स्तर एक, दो या तीन श्रेणियों के तहत उपयुक्त नौकरी दी जाएगी।

सैनी सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, अगर किसी विभाग के सभी पद भर जाते हैं, तो एचकेआरएन योग्य व्यक्ति को किसी अन्य विभाग में या अपने खुद के प्रतिष्ठान में नियुक्त करेगा। बयान में कहा गया है, 'यह सहानुभूतिपूर्ण उपाय एचकेआरएन के जरिये सहभागिता के लिए एक विधिवत ढांचा प्रदान करता है, जिसका मकसद 1984 के दंगों के दौरान अपूरणीय क्षति झेलने वाले परिवारों के लिए निष्पक्षता,

पारदर्शिता और सम्मान सुनिश्चित करना है। '

शिक्षकों के लिए भी नया नियम: इसके अलावा मंत्रिमंडल ने शिक्षकों के ट्रांसफर को लेकर भी एक नई नीति का ऐलान किया। इसके तहत अब जोनिंग की अवधारणा को खत्म कर दिया गया है, जिससे अब शिक्षकों को सीधे कोई भी स्कूल चुनने की अनुमति मिल गई है। बयान में कहा गया है कि 'शेष हरियाणा' कैडर के शिक्षकों को उनकी पसंद के अनुसार नूंह जिले या हथीन और मोरनी ब्लॉक में तैनाती के लिए अतिरिक्त भत्ते का प्रावधान शिक्षक स्थानांतरण नीति 2023 के समान ही रहेगा। लेकिन मेवात कैडर के शिक्षकों को कैडर के बाहर तैनात नहीं किया जाएगा।

यूपी के बाराबंकी में ट्रक और कार की टक्कर में छह की मौत, दो घायल

बाराबंकी, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश के बाराबंकी के देवा-फतेहपुर मार्ग पर सोमवार देर रात बिशुनपुर कस्बे के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में एक ही परिवार के तीन लोग शामिल है। मिली जानकारी के अनुसार हादसा तब हुआ जब तेज रफ्तार ट्रक और बिना नंबर की अर्टिगा कार आमने-सामने भिड़ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अर्टिगा कार के परखच्चे उड़ गए और आसपास के इलाके में चीख-पुकार मच गई। मृतकों की पहचान ड्राइवर श्रीकांत शुक्ला, प्रदीप सोनी, उनकी पत्नी माधुरी सोनी और बेटे नितिन के रूप में हुई है। दो अन्य मृतकों की शिनाख्त अभी नहीं हो पाई है। घायलों में प्रदीप सोनी का बेटा नैमिष और एक अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं। बताया जा रहा है कि सभी लोग कानपुर के बिठूर में गंगा स्नान करने के बाद अपने घर लौट रहे थे।

हादसे की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को कार से बाहर निकाला और एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। हालत गंभीर होने पर सभी घायलों को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि प्राथमिक जांच में हादसे की वजह वाहन की तेज रफ्तार प्रतीत हो रही है। ट्रक और कार की टक्कर के बाद सड़क पर लंबा जाम लग गया था। क्रेन की मदद से वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया गया। शुरुआती जांच में पता चला कि मृतक फतेहपुर कस्बा के रहने वाले हैं और ये लोग गाड़ी बुक करके आए थे। दूसरी तरफ से तेज रफ्तार से गाड़ी आई थी, जिससे आमने-सामने की टक्कर हुई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवधेश कुमार यादव ने बताया कि घायलों को पहले सीएचसी से जिला अस्पताल लाया गया था, लेकिन उनकी हालत नाजुक होने के कारण सभी को लखनऊ ट्रामा सेंटर भेज दिया गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि देवा-फतेहपुर मार्ग पर स्पीड कंट्रोल के लिए कड़े इंतजाम किए जाएं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

घर से बाहर नहीं निकलता, पत्नी की मदद लेता हूं, एयर इंडिया हादसे के अकेले बचे यात्री का दर्द

अहमदाबाद, एजेंसी।
12 जून को गुजरात के अहमदाबाद से लंदन के गैटविक के लिए उड़ान भरने वाला एयर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान टेकऑफ के कुछ ही मिनटों बाद हादसे का शिकार हो गया था। इस दर्दनाक दुर्घटना में 242 में से 241 लोग मारे गए, जिनमें कई बच्चे और चालक दल के सदस्य भी शामिल थे। लेकिन एक व्यक्ति- विश्वासकुमार रमेश चमत्कारिक रूप से बच गए। दुनिया ने इसे चमत्कार कहा, मगर रमेश के लिए यह अब एक जीता-जागता दुःस्वप्न बन चुका है। इस हादसे में उन्होंने अपने भाई अजयकुमार को खो दिया और साथ ही अपने मानसिक संतुलन, व्यवसाय और सामान्य जीवन की उम्मीद को भी खो दिया है।

मेरे चारों ओर लाशें थीं- अस्पताल से याद करते हुए बोले रमेश

भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश ने हाल ही में स्काई न्यूज को दिए इंटरव्यू में अपनी जिंदगी का वो काला अध्याय खोला, जो पीटीएसडी यानी पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर की गिरफ्त में कैद हो गया है। वे कहते हैं कि मैं पूरी तरह टूट चुका हूं। मेरा भाई मेरा सहारा था। अब मैं अकेला हूं। रमेश की कहानी सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि एक परिवार की टूटती हुई दुनिया की है।

रमेश सीट नंबर 11ए, यानी इमरजेंसी गेट के पास बैठे थे। विमान के क्रैश होने के बाद किसी तरह वे बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन उनके भाई की मौत मलबे में हो गई। दुर्घटना के बाद अस्पताल के बिस्तर से डीडी इंडिया को दिए गए बयान में उन्होंने कहा था कि जब मैं उठा, मेरे चारों तरफ लाशें थीं। मैं बस अपने भाई को ढूंढ रहा था।

दुर्भाग्य से, रमेश के भाई अजयकुमार गुजराती भाषी इस परिवार के लिए सब कुछ थे। रमेश का दिन अब एकाकीपन की चारदीवारी में कटता है। वे घर से बाहर नहीं निकलते। ज्यादातर समय बेडरूम में अकेले बैठे रहते हैं, कुछ नहीं करते। इंटरव्यू में रमेश की आवाज टूटी हुई थी। वे बार-बार चुप हो जाते, कभी शब्दों में रुक जाते। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे हादसे के बारे में बात कर सकते हैं, तो वे सिर्फ इतना बोले- विमान के बारे में बात करना बहुत दर्दनाक है। उनकी पत्नी और चार साल के बेटे दिवांग के साथ वे अब ब्रिटेन के लेस्टर शहर में रहते हैं। मगर वे अब शायद ही घर से बाहर निकलते हों। रमेश कहते हैं, 'मैं बस अपने कमरे में बैठा रहता हूं, कुछ नहीं करता। मैं बस अपने भाई के बारे में सोचता हूंज मेरे लिए वो सब कुछ था।' रमेश अभी भी घुटने, कंधे और पीठ के दर्द से परेशान हैं। उनके बाएं हाथ में जलन के निशान अब तक ठीक नहीं हुए हैं। उन्होंने बताया कि अब नहाने तक में पत्नी को मदद करनी पड़ती है। उनका छोटा बेटा दिवांग अभी ठीक है, लेकिन रमेश कहते हैं कि वे उससे 'ठीक से बात नहीं कर पाते।' जब उनसे पूछा गया कि क्या दिवांग उनके कमरे में आता है, तो उन्होंने सिर हिला कर 'ना' कहा।

हादसे ने खत्म कर दिया कारोबार

रमेश और उनके भाई अजयकुमार ने मिलकर भारत में एक फिशिंग बिजनेस शुरू किया था। इसके लिए उन्होंने अपनी पूरी बचत लगा दी थी और अकसर भारत-यूके के बीच यात्रा करते थे। लेकिन हादसे के बाद कारोबार ठप पड़ गया है। लेस्टर के सामुदायिक नेता संजीव पटेल और रमेश के सलाहकार रैड सिगर के अनुसार, अब रमेश का परिवार किसी भी आय स्रोत के बिना है। एयर इंडिया की ओर से 21 लाख रुपये की अंतरिम सहायता एयर इंडिया ने रमेश को 21,500 यूरो (करीब 21.9 लाख रुपये) की अंतरिम राहत राशि दी है। यह राशि अंतिम मुआवजा तय होने से पहले दी जाने वाली अस्थायी मदद होती है। हालांकि, सिगर और पटेल का कहना है कि यह रकम रमेश की जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है। उन्होंने कहा, 'यह रकम तो बस सतह को छूती है। रमेश को स्कूल जाने वाले बेटे के लिए ट्रांसपोर्ट, भोजन, मेडिकल और मानसिक सहायता जैसी बुनियादी मदद चाहिए।' वे चाहते हैं कि एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन खुद रमेश और अन्य पीड़ित परिवारों से मिलें।

उत्साह पूर्वक आयोजित किया गया एन,सी,सी का सममान सामारोह

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷। के.एम. इंटर कॉलेज में एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के प्रधानाचार्य और एनसीसी के एएनओ, एक्स सूबेदार दिनेश कुमार ने संयुक्त रूप से सीनियर डिवीजन और जूनियर डिवीजन के सीनियर सार्जेंट्स को रैंक लगाकर सम्मानित किया।विद्यालय प्रांगण में इस अवसर पर उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य का चार्ज संभाल रहे भूपेंद्र सिंह, अध्यापक महेंद्र चौहान, जे.पी. आर्य सहित अन्य शिक्षकों ने दोनों ही सीनियर सार्जेंट्स को आशीर्वाद देते हुए उनकी सराहना की।वहीं, एनसीसी कैडेट्स ने भी अपने वरिष्ठों का आशीर्वाद लेकर देश सेवा के प्रति समर्पण की भावना को दोहराया।

ब्याज के चक्रव्यूह में फंसे राहुल सैनी ने की थी आत्महत्या, नेता और लेखपाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। नगर के मुहल्ला लालसराय निवासी राहुल सैनी द्वारा सूदखोरों के चंगुल में फंसकर आत्महत्या करने के बाद नगीना पुलिस ने तहरीर के आधार पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर उसका चलान के दिया।गौरतलब है कि राहुल सैनी निवासी लाल सराय की आजाद नगर कॉलोनी में साढ़े चार बीघा जमीन भी गवां देने के बाद भी उसका कर्ज नहीं उतरा,।जिसके चलते राहुल सैनी ने 30 अक्तूबर को ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली।मृतक के परिजनों की ओर से थाना नगीना में दी गई एक तहरीर तीन मुख्य आरोपियों के साथ दो अन्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग की ।पुलिस ने तहरीर के आधार पर वीरेंद्र कुमार पुत्र अमर सिंह निवासी ग्राम खुशहाल पर मठेरी, प्रहलाद कुमार निवासी लाल सराय और लेखपाल वीरेंद्र सैनी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।पुलिस ने इस संबंध में वीरेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर उसका चलान कर दिया। बताते चले कि जनपद में बयाजखोरो के मकडजाल मे फंस कर कई परिवार अपने जिगर के बेशकीमती टुकड़ो को सदा-सदा के लिये खोकर बर्बाद हो चूके हैं।

गुरुद्वारा संत सभा में हुआ निशान साहब का चोला परिवर्तन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। गुरुद्वारा संत सभा निकट एसडीएम कोर्ट नगीना में आज निशान साहब का चोला परिवर्तन किया गया। श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष में गुरुद्वारा दीवान हाल में श्री अखंड पाठ साहिब जी के पाठ हो रहे हैं, जिसकी संपूर्णता 5 नवंबर को होगी। इसी के चलते सुबह 10:00 बजे अरदास के बाद निशान साहब का चोला परिवर्तन किया गया जिसमें निशान साहब को पहले दूध से स्नान करा कर नया चोला पहनाया गया। निशान साहब के चोले की सेवा भाई कुशदीप सिंह डिंपी द्वारा की गई। इस अवसर पर गुरुद्वारा परिसर मे प्रधान गुरुद्वारा संत सभा नगीना केवल पाल सिंह, गुरुघर के ज्ञानी कृष्ण सिंह, भाई तारा सिंह, अजीत कौर, मनमीत कौर, मनमीत सिंह, कुशदीप सिंह, शिवा मिगलानी, अतुल भारती, अवनीत कौर रविंदर कौर, करनप्रीत सिंह, रेनू, सिमरन आदि अनेकों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बाईक हटाने के विवाद में आधा दर्जन युवकों ने दुकान में घुसकर पुत्र के साथ की मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। झील कॉलोनी में राश्ते में खड़ी बाईक हटाने को कहना एक दुकानदार को भारी पड़ गया। आधा दर्जन युवकों ने उसकी दुकान में घुसकर पुत्र के साथ मारपीट की।मारपीट की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की है। मोहल्ला झील कॉलोनी में महेश मेहता की गारमेंट्स की दुकान है। बताया जाता है कि रविवार की दोपहर के समय गारमेंट्स दुकान के पास ही राश्ते में बाइक खड़ी हुई थी। जिस पर महेश मेहता ने वहां से बाईक हटाने की बात कही की। इस दौरान मामूली नोकझोंक हो गई।इसके बाद महेश मेहता वहां से चले गए। कुछ देर बाद करीब आधा दर्जन युवक महेश मेहत्ता दुकान में घुस गए। दुकान में मौजूद महेश मेहता के पुत्र यतिन मेहत्ता के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट शुरू कर दी। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसमें आधा दर्जन युवक दुकानदार के पुत्र के साथ मारपीट करते हुए नजर आ रहे हैं। महेश मेहता की ओर से पुलिस से शिकायत की गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की है और आरोपियों की पहचान का प्रयास कर रही है।

नगीना मिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के अंतर्गत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। मिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के अंतर्गत, उप निरीक्षक सपना तोमर, म0 हेड का0 रेशमा चौधरी, का0 धर्मेंद सिंह, का0 सचिन कुमार व प्रदीप कुमार, म0 होमगार्ड शिवानी द्वारा, ग्राम नैनपुरा थाना नगीना जनपद बिजनौर में जाकर बालिकाओ व महिलाओं को एकत्रित कर उनकी सुरक्षा, सम्मान, स्वाबलंबन, यातायात के सभी नियमों के विषय में बताया गया व सरकार द्वारा चलाई जा रहीं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे-विधवा पेंशन योजना, वृध्दावस्था पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वल योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना,राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, प्रधान मंत्री जन अरोग्य योजना,नशा मुक्ति भारत अभियान आदि से अवगत कराते हुए तथा महिलाओं को उनकी सुरक्षा के सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों, वूमेन पावर लाइन-1090, महिला हेल्पलाइन नंबर -181, पुलिस आपातकालीन सेवा -112, स्वास्थ्य सेवा- 102,108, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर -1076, चाइल्ड लाइन 1098, 1930, साइबर क्राइम हेल्प लाइन नंबर आदि के बारे में जानकारी देते हुए पम्पलेट वितरित किए गये ।इस मौके परउप निरीक्षक सपना तोमर, म. हेड का. रेशमा चौधरी, का. धर्मेंद सिंह, का. सचिन कुमार व प्रदीप कुमार, म. होमगार्ड शिवानी ग्राम नैनपुरा की काफी

दिल्ली-एनसीआर में सांस लेना मुश्किल, हफ्ते रहेगी तापमान में गिरावट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का श्तर लगातार खतरनाक होता जा रहा है। दीपावली से पहले ही हवा जहरीली हो चुकी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 400 के पार पहुंच गया है, जो "गंभीर" श्रेणी में आता है।

दिल्ली के अलीपुर में एक्यूआई 420, आनंद विहार में 403, अशोक विहार में 370, जबकि बवाना और बुराड़ी क्रॉसिंग जैसे क्षेत्रों में भी 390 से अधिक दर्ज किया गया है। नोएडा के सेक्टर-125 में एक्यूआई 345, सेक्टर-116 में 357 और सेक्टर-62 में 323 दर्ज हुआ है।

वहीं गाजियाबाद में स्थिति और भी चिंताजनक है। लोनी में एक्यूआई 420, वसुंधरा में 389, संजय नगर में 360 और इंदिरापुरम में 334 के श्तर पर पहुंच गया है। यह सभी आंकड़े दर्शाते हैं कि दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता "बेहद खराब" से "गंभीर" स्थिति में है। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी खराब हवा में लंबे समय तक रहने से सांस की बीमारियां, आंखों में जलन और फेफड़ों के संक्रमण जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा के मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगले कुछ दिनों में तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। नोएडा में 4 नवंबर से 9 नवंबर तक अधिकतम तापमान 29 से घटकर 27 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 19 से घटकर 15 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने बताया कि मंगलवार या बुधवार को दिल्ली-एनसीआर के कुछ हिस्सों में हल्की रिमझिम बारिश होने की संभावना है।

आईएमडी अधिकारियों का कहना है कि हल्की बारिश और हवा की दिशा में बदलाव से प्रदूषण के श्तर में कुछ हद तक सुधार देखने को मिल सकता है। हालांकि, फिलहाल के हालात को देखते हुए लोगों को सुबह-शाम घर से बाहर निकलने से बचने और मास्क का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

यूपी-उत्तराखंड बॉडी बिल्डर चैंपियनशिप : नईम खान व मोहित पाल जीते

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

एचएमआई इंटर कॉलेज में यूपी उत्तराखंड बॉडी बिल्डर चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जिसमें मुरादाबाद के नईम खान यूपी उत्तराखंड व नहटौर क्षेत्र के गांव ढकौली के मोहित पाल ने मिस्टर बिजनौर के रूप में चैंपियनशिप जीती।

प्राप्त समाचार के अनुसार दा मैक्स फिटनेस जिम की ओर से नहटौर के एचएमआई इंटर कॉलेज में यूपी उत्तराखंड बॉडी बिल्डर शो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जिसमें समाजसेवी हाजी अब्दुल कादिर व मुस्लिम फंड के मैनेजर हाजी शमीम ख्वाजा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से युवाओं का उत्साह बढ़ता है। उन्होंने जिम के माध्यम से सेहतमंद रहने और खासकर युवाओं से नशे की आदतो से दूर रहने का आह्वान किया। शो में मेरठ, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, मुरादाबाद, अमरोहा, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, देहरादून, ऋषिकेश व बिजनौर आदि के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मुरादाबाद के नईम खान यूपी उत्तराखंड चैंपियन बने। जबकि नहटौर क्षेत्र के गांव ढकौली के मोहित पाल मिस्टर बिजनौर के रूप में चैंपियन चुने गए। मुख्य अतिथियों ने विजेताओं को प्रशशित पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर समाजसेवी हाजी अब्दुल कादिर, हाजी शमीम ख्वाजा, हाजी अबरार अंसारी, अकरम अंसारी, फारूक फौजी, इस्लामुद्दीन, शकील कुरेशी, अवैस जकी, नादिर जकी, असलम सैफी, नईम शेख, वहीद मंसूरी, जहांगीर जैदी आदि मौजूद रहे। आयोजक मोहम्मद जर्रार और मोहम्मद अहमद ने सभी का आभार व्यक्त किया।

दो कारों की आमने-सामने भिड़ंत, नवनीत एडवोकेट बाल-बाल बचे, नशे में धुत दूल्हे को पुलिस ने पकड़ा

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

आज सुबह झालू कस्बे के निकट बिजनौर-हल्दौर रोड पर दो कारों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों गाड़ियों को भारी नुकसान हुआ, हालांकि सौभाग्य से किसी को गंभीर चोट नहीं आई।

जानकारी के अनुसार नवनीत कुमार (बंटी) पुत्र यादराम सिंह, निवासी मोहल्ला चौधरी, झालू, अपने पुत्र को सेंट मैरी स्कूल, बिजनौर छोड़कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। नवनीत की गाड़ी का एयरबैग खुल जाने से बड़ा हादसा टल गया और वे सुरक्षित बच गए। दूसरी कार में सवार अजय सहरावत पुत्र कप्तान सिंह निवासी बरेना (हरियाणा) और गौतम पुत्र सुदर्शन निवासी तालापुर, पटना (बिहार) थे। बताया गया कि दोनों नशे की हालत में थे और शादी समारोह से लौट रहे थे। हादसे के कुछ देर बाद दूल्हा सुमित राणा पुत्र नैपाल सिंह निवासी किलैब-3, दिल्ली अपनी दूसरी गाड़ी से मौके पर पहुंचा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दूल्हा नशे की हालत में था और आते ही मौके पर मौजूद नागरिकों से उद्दंड करने लगा। सूचना पर झालू चौकी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और दूल्हे को पकड़कर अपनी गाड़ी में बैठा लिया। पुलिस ने दोनों वाहनों को अपने कब्जे में लेकर चौकी पर खड़ा कराया तथा घायलों को प्राथमिक उपचार दिलाया।

थाना हल्दौर प्रभारी संजय कुमार ने बताया की झालू चौकी पहुंच कर दोनों पक्षों से बातचीत कर आपसी सहमति से समझौता करा दिया।

दरगाह मोहिउद्दीन मियां के सौंदर्यकरण का विधायक मनोज पारस ने किया लोकार्पण

सौंदर्यकरण तथा हाल निर्माण के लिए पारस बधाई के पात्र : मन्नान

✷ एनसीआर टुडे. किरतपुर ✷

आस्था और भाईचारे की मिसाल बनी दरगाह जनाब हज़रत मोहिउद्दीन मियां पर बीती रात भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मजार परिसर में पूर्ण हो चुके सौंदर्यकरण एवं हॉल निर्माण कार्य का लोकार्पण विधायक एवं पूर्व राज्य मंत्री मनोज पारस ने फीता काटकर किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका चेयरमैन अब्दुल मन्नान तथा विशिष्ट अतिथि मुस्लिम फंड कमेटी के अध्यक्ष साईम राजा मौजूद रहे। दरगाह पर चल रहे तीन दिवसीय उर्स मुबारक की समाप्ति पर आयोजित इस कार्यक्रम में जायरीनों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

दरगाह कमेटी की ओर से नगर एवं क्षेत्र के सैकड़ों लोगों की दश्तारबंदी की गई तथा कुल शरीफ की रस्म अदा की गई। इसके बाद पूरी रात कव्वालियों का सिलसिला जारी रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मनोज पारस ने कहा कि दरगाह परिसर में बनाए गए हॉल के निर्माण पर 50 लाख रुपये खर्च किए गए हैं,। जिसमें 25 लाख रुपये पर्यटन विभाग द्वारा स्वीकृत हुए तथा 25 लाख रुपये उनकी विधायक निधि से दिए गए। उन्होंने कहा कि जनकल्याण के ऐसे कार्य आगे भी जारी रहेंगे और चुनाव के दौरान जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए वह प्रयासरत हैं।

चेयरमैन अब्दुल मन्नान ने कहा कि दरगाह पर दोनों वर्गों के लोग मन्नतें मांगने आते हैं। जायरीनों की सुविधा के लिए हॉल निर्माण एवं परिसर के सौंदर्यकरण का कार्य कराया गया है, जिसके कारण विधायक मनोज पारस और उनकी टीम बंधाई की पात्र है।

मुस्लिम फंड कमेटी के अध्यक्ष साईम राजा ने कहा कि इस कार्य को पूरा कराने के लिए उन्होंने दरगाह कमेटी के साथ मिलकर लखनऊ तक कई बार दौरे किए। विधायक मनोज पारस की मेहनत और सहयोग से यह कार्य सफल हो सका।

कार्यक्रम का संचालन सपा नगर अध्यक्ष शब्बन जुनैदी ने किया। इस अवसर पर सैयद मुकीम शाह चिश्ती साबरी मुन्ने मियां सज्जादा नसीन, मोहम्मद राशिद (होटल वाले), रियासत अली लाल, पुरुषोत्तम कुमार बब्बी, शेख जाहिद हुसैन, मोहम्मद शदान, सभासद मोहम्मद आबिद, मोहम्मद फैजान, नफीस राईन, हिमांशु भारती, अनवर कुरैशी, मोहम्मद गौहर, इकरार नेता नीटू प्रधान, वकार अहमद (भट्टे वाले) सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

नई व्यवस्था में अवर अभियंताओं की जिम्मेदारी तय

15 नवंबर से कार्य की जिम्मेदारी संभालेंगे दस दिन तक कार्य की जानकारी ले सकेंगे

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

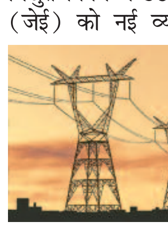

विद्युत निगम ने 58 अवर अभियंता (जेई) को नई व्यवस्था के तहत जिम्मेदारी दे दी है। उनके कार्यक्षेत्र बांट दिए गए हैं। सभी 15 नवंबर से नई व्यवस्था के तहत कार्य करेंगे। आने वाले दस दिन काम की जानकारी लेंगे।

विद्युत निगम ने मंगलवार को 58 अवर अभियंताओं की सूची जारी की। इसमें 38 अवर अभियंताओं को बिजली उपकेंद्रों की जिम्मेदारी दी गई है। दो अवर अभियंता स्काडा का कार्य करेंगे। नौ अवर अभियंताओं को वाणिज्यिक का कार्य सौंपा गया है। पांच अवर अभियंता मीटर और एएमआरआई का कार्य करेंगे।

दो अवर अभियंता बिलिंग का कार्य करेंगे। दो अवर अभियंताओं को प्रवर्तन दल के साथ शामिल किया गया है। इस दौरान अवर अभियंताओं को अवकाश पर रोक लगा दी गई है। इस दौरान अभियंता अपना आईडी पासवर्ड हश्तांतरण और बंद की प्रक्रिया पूरी कर ले, ताकि बाद में किसी तरह की परेशानी नहीं आए।

अभियंता 14 नवंबर तक अपने उच्चाधिकारियों से संपर्क स्थापित करके व्यवस्था जान लें, ताकि 15 नवंबर से निरंतर कार्य होते रहे। अवर अभियंताओं की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। प्रयास है कि नई व्यवस्था के तहत 15 नवंबर से बेहतर तरह से कार्य हो सकेगा। इससे उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति में मदद मिलेगी।

एसके जैन, मुख्य अभियंता, विद्युत निगम

एक शाम मौहब्बतो के नाम महफिल ए मुशायरा व जश्न ए शादाब का आयोजन

पूर्व चेयरमैन मौहम्मद मौअ़ज़्ज़म खां, डॉक्टर आफताब नोमानी ने अज़मल खां अजमल अवार्ड देकर शादाब ज़फ़र शादाब को शॉल ओढाकर सम्मानित किया

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

नगर की अदबी संस्था बज़्म ए जिगर नजीबाबाद के द्वारा मशहूर उश्ताद शायर मौसूफ अहमद वासिफ के आवास मौहल्ला रमपुरा में एक शाम मौहब्बतो के नाम महफिल ए मुशायरा व जश्न ए शादाब का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व चेयरमैन मौहम्मद मौअज़्ज़म खां एडवोकेट व विशिष्ट अतिथि डाक्टर आफताब नोमानी ने साहिब ए जश्न शादाब ज़फ़र शादाब को अज़मल खां अजमल अवार्ड देकर व शॉल ओढाकर सम्मानित किया।

प्रोग्राम में मशहूर उश्ताद शायर डाक्टर रईस अहमद भारती के मजमुए कलाम 'नुकुश ए अव्वल' का विमोचन भी किया गया। रात्रि को आयोजित कार्यक्रम में अदबी खिदमात के लिए शायर शादाब ज़फ़र शादाब को बज़्म ए जिगर के सदर डॉक्टर रईस अहमद भारती व एमडी खान ने पगड़ी बांधी और पूर्व चेयरमैन मौहम्मद मौअज़्ज़म खां एडवोकेट व डाक्टर आफताब नोमानी ने अज़मल खां अजमल अवार्ड देकर व शॉल ओढाकर सम्मानित किया।

इस मौके पर प्रोग्राम के मेहमान ए खुसुसी पूर्व चेयरमैन मौहम्मद मौअज़्ज़म खां एडवोकेट ने शायर शादाब ज़फ़र को मुबारकबाद देते हुए कहा कि शादाब ज़फ़र शादाब ए लम्बे अरसे से उर्दू अदब की खिदमत करने के साथ ही मुल्क के आल इंडिया मुशायरो में शिरकत करते हुए अपने बेहतरीन कलाम से नजीबाबाद का नाम रोशन कर रहे है। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन मौहम्मद मौअज़्ज़म खां एडवोकेट व दीगर शोअरा हज़रात ने मशहूर उश्ताद शायर व बज़्म ए जिगर के सदर डाक्टर रईस अहमद भारती के मजमुए कलाम नुकुश ए अव्वल का रस्म ए इजरा भी किया।

इस मौके पर महफिल ए मुशायरे का आगाज डॉक्टर इल्यास ने हुज़ूर की शान में नात ए नबी पेश कर किया। ग़ज़ल के दौर में हाफ़िज शादाब मुल्तानी, शहबाज़ अख्तर, मुजाहिद अली, डॉक्टर इल्यास, आसिफ मिर्जा, आरिफ आरजू, डॉक्टर तैय्यब जमाल, डॉक्टर आफताब नोमानी, शादाब ज़फ़र, डॉक्टर नसीम अख्तर मुल्तानी, सूफीयान मुल्तानी, शुऐब मुज़फ्फरनगरी, शकील अहमद वफा, अकीमुद्दीन अकीम मंडावरी, डॉक्टर रईस अहमद भारती वगैरा ने उम्दा कलाम पेश किया। इस मौके पर व्यापारी नेता तसनीम सिद्दीक़, श शहबाज़ खान, जुबैर खान, फैसल खान, नसीम अहमद खान, अजीज़ अहमद, वसीम कुरैशी मंडावली, मोनिस खान, सय्यद दानिश अली मौजूद रहे।

महफिल ए मुशायरे की अध्यक्षता डॉक्टर रईस अहमद भारती ने की व संचालन डॉक्टर तैय्यब जमाल ने किया। प्रोग्राम में मेजबान शायर मौसूफ अहमद वासिफ के लिए सभी ने अल्लाह से सेहतमंदी के लिए दुआ की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मौहम्मद मौअज़्ज़म खां एडवोकेट विशिष्ट अतिथि डाक्टर आफताब नोमानी रहे।

शादियों के मौसम में बाजारों की रौनक बढ़ी

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

शादी का सीजन शुरू हो चुका है। 15 दिसंबर तक शहर में शहनाइयों और बैंडबाजों की गूंज सुनाई देगी। शादियों की खरीदारी के कारण बाजारों में भी रौनक है।

शहर के प्रमुख व्यापार संगठनों ने जिले के बाजारों में बेहतर कारोबार की उम्मीद जताई है। देवउठनी एकादशी के साथ शादियों का सीजन शुरू हो चुका है। जिले में नवंबर और दिसंबर 2025 में करीब दो हजार से अधिक शादियां होने की उम्मीद जताई जा रही है। सेक्टर 18 मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन के अनुसार इन दिनों अकेले आभूषणों की करोड़ों रुपये की खरीदारी होगी।

प्रमुख व्यापारी संगठन के चेयरमैन नरेश कुच्छल ने बताया कि सेक्टर 5 हरौला, सेक्टर 27 की इंदिरा मार्केट समेत तमाम बाजारों में घर की सजावट, साज-सज्जा, दूल्हा-दुल्हन के साज-सामान, परिधान, आभूषण और उपहारों से लेकर आयोजन स्थल बुकिंग और सजावट तक, सभी श्रेणियों में मांग बढ़ी हुई है।

शादियों का मौसम स्थानीय व्यापारियों और सेवा प्रदाताओं के लिए महत्वपूर्ण व्यावसायिक अवसर लेकर आएगा। वहीं फनीर्चर और बर्तन कारोबार में भी तेजी आ रही है। 20-60 हजार में बैंड की बुकिंग बैंड बाजे की इन दिनों बुकिंग जारी है। सेक्टर-101 सलारपुर निजी बैंड संचालक सोनू ने बताया कि इस बीच शादी बारात के लिए 20 हजार से लेकर 60 हजार रुपये तक के बैंड की बुकिंग की जा रही है। इसके अलावा यदि ग्राहक चाहता है तो उन्हें अलग से चार्ज के अनुसार कैटरिंग, घोड़े या बग्घी या विंटेज कार समेत फ्लावर डेकोरेशन करते दिया जाता है।

इसके शुल्क अलग अलग रहते हैं। वीडियोग्राफी में एक लाख तक खर्च सेक्टर-22 स्थित स्टूडियो के मालिक एचएस चौधरी ने बताया कि अब आजकल लोग अपनी शादी के लिए छह-छह महीने पहले से ही बुकिंग करा लेते हैं। खासकर प्री वेडिंग शूट से लेकर स्टील फोटोग्राफी और अन्य तरह के आकर्षक पैक भी पसंद किए जाते हैं। सभी के रेट अलग अलग हैं। आमतौर पर लोग अपने सिर्फ शादी की फोटोग्राफी के लिए 35000 से लेकर 1 लाख तक के पैक पसंद करते हैं। बैंक्वेट हॉल में एक दिन में दो-दो शादियां सेक्टर-51 स्थित निजी बैंक्वेट हॉल के संचालक एसके सिंह ने बताया कि अब बढ़ती डिमांग के चलते एक ही दिन में दो-दो शादियां कराई जा रही हैं।

असल में आजकल दिन में भी विवाह का चलन भी बढ़ रहा है। ऐसे में समय प्रबंधन के अनुसार विवाह समारोह संपन्न कराए जा रहे हैं।

उनका कहना है कि इन दिनों लगातार बुकिंग की कॉल उन तक पहुंच रही है। लेकिन कम शुभ मुहूर्त के चलते एक ही दिन के लिए कई कई कॉल्स आ रही हैं, लेकिन लोग पहले से ही उन दिनों की बुकिंग कराए हुए हैं।

डेंगू का कहर जारी : 24 घंटे में मिले 6 नए मरीज, कुल 284

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

जिले में पिछले 24 घंटे में डेंगू के छह नए मरीज मिले हैं। चार मरीजों की जांच रिपोर्ट सरकारी लैब से और दो की रिपोर्ट प्राइवेट लैब से आई है।

इसके साथ ही जिले में डेंगू के कुल केसों की संख्या बढ़कर 284 हो गई है। मलेरिया के कुल मरीजों की संख्या 86 है। अलग-अलग अस्पतालों में कुल चार मरीज भर्ती हैं।

मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने अलग अलग क्षेत्रों में 264 घरों में सर्वे के बाद 134 घरों में मिले डेंगू मच्छर के लार्वा को नष्ट कराया है। संबंधित को नोटिस भी दिया गया है। जिला सर्विलांस अधिकारी आरके गुप्ता ने बताया कि डेंगू के नए मरीजों के घर और आसपास कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जा रहा है।

75 वर्षीय बुजुर्ग से 52.78 लाख की ठगी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

साइबर अपराधियों ने खुद को मनी लॉन्ड्रिंग का आरोपी बताकर चिरंजीव विहार निवासी 75 वर्षीय उदय ठाकुर से 52.78 लाख रुपये की ठगी कर ली। जालसाजों ने पीड़िता को 25 अक्टूबर से एक नवंबर के बीच तीन बार अपने बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने का झांसा दिया।

सड़क हादसों में दो युवकों की मौत, एक घायल

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

शहर में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली के सरोजनी नगर निवासी वाजिद अली ने पुलिस को बताया कि उनका भाई तौकीर और उसका दोश्त असगर 31 अक्तूबर की रात करीब 11 बजे सेक्टर-63 स्थित छिजारसी जा रहे थे। सेक्टर-63 के जे ब्लॉक में कार ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद चालक कार लेकर भाग गया।

हादसे में दोनों को गंभीर चोट आईं। एसजेएम अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेज दिया। जहां से उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया। तीन नवंबर को तौकीर अहमद की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि दोश्त असगर का उपचार चल रहा है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि घटनास्थल पर लगे CCTV में हादसा कैद हो गया। फुटेज के आधार पर कार चालक की पहचान कर रही है। वहीं, जिला बाराबंकी के अलिहाबाद गांव निवासी मोहम्मद जीशान ने सेक्टर-58 थाने में एफआईआर दर्ज कराई कि उनके पिता सेक्टर-57 में सिलाई का काम करते थे। वह एक नवंबर की रात करीब 10.30 बजे साइकिल से घर जा रहे थे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना
(ई–टेंडरिंग द्वारा)

कार्य का नाम तथा स्थान	दिल्ली मंडल के DLI-BTI खंड में "थिक वेब स्विच" (Thick Web Switches) प्रदान करने के संबंध में सिग्नल और दूरसंचार (S&T) का कार्य।
कार्य की अनुमानित लागत	रू. 78,79,421.73 /–
धरोहर राशि	रू. 1,57,600.00 /–
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता–C, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055
निविदा प्रपत्र जमा करने तथा निविदा खुलने का दिनांक तथा समय।	निविदा प्रपत्र अपलोड करने का समय **03.11.2025** / निविदा खुलने का दिनांक **25.11.2025 15:00** बजे तक
वेबसाइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।	उत्तर रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखें या देखे नोटिस बोर्ड, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055

निविदा संख्या : **558-Sig-16-M -TENDER - 1465** दिनांक **03.11.2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ **3416/2025**

संपादकीय

धर्म-स्थलों के हादसें-आखिर कब जागेगा तंत्र?

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में मची भगदड़ में हुई दर्दनाक मौतों ने एक बार फिर हमारे प्रशासनिक ढांचे, सरकारों की संवेदनशीलता और तंत्र की जवाबदेही पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। हर बार ऐसी त्रासदी होती है, कुछ जानें जाती हैं, कुछ परिवार उजड़ते हैं, कुछ आंसू बहते हैं- फिर वही रटंत बयान, "जांच के आदेश दे दिए गए हैं", "दोषियों पर कार्रवाई होगी", "पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा" और फिर सब कुछ धूल में मिल जाता है। सवाल यह है कि आखिर हम कब तक इस लापरवाही, इस प्रशासनिक नींद, इस जानलेवा कोताही और इस संवेदनहीन व्यवस्था का शिकार बने रहेंगे? किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, एक बार फिर भीड़ प्रबंधन की नाकामी श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। इस घटना के बाद जिस तरह से बयान दिए जा रहे हैं, वह पीड़ितों के जले पर नमक छिड़कने जैसा है।

धार्मिक स्थल आस्था के केंद्र होते हैं, ऊर्जा के केन्द्र होते हैं, जहां लोग शांति और श्रद्धा पाने आते हैं, लेकिन यह कैसी विडंबना है कि इन पवित्र स्थलों पर भी लोगों को असमय मृत्यु का सामना करना पड़ता है। श्रीकाकुलम में जो कुछ हुआ, वह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि एक प्रणालीगत विफलता है। भीड़ प्रबंधन के नाम पर प्रशासन हर बार हाथ खड़े कर देता है। न पर्याप्त बैरिकेडिंग, न एंट्री-एग्जिट का संतुलन, न भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिसबल या वॉलंटियर, न मेडिकल सहायता का इंतजाम। मन्दिरों, त्योहारों और विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के बावजूद तैयारी का नामोनिशान नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर स्वामी का यह मंदिर कुछ महीने पहले ही खोला गया था और राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि जिले के अधिकारियों को इसके बारे में जानकारी नहीं थी। हालांकि इससे यह जवाबदेही खत्म नहीं हो जाती कि एक धार्मिक स्थल पर क्षमता से कई गुना ज्यादा लोग जुटते चले गए और फिर भी स्थानीय पुलिस-प्रशासन को भनक कैसे नहीं लगी। सरकार और मंदिर प्रबंधन की बातों से लग रहा है कि दोनों पक्ष घटना से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

मंदिर का निर्माण ओडिशा के जिस शख्स हरि मुकुंद पांडा ने कराया है, उनका कहना है कि सीढ़ियों की रेलिंग टूटने से हादसा हुआ। लेकिन, यही वजह तो काफी नहीं। भगदड़ मचने के बाद श्रद्धालुओं को बाहर जाने का रास्ता नहीं मिल पाया, वह व्यवस्थापकों की लापरवाही का नतीजा है। मंदिर में आने-जाने का एक ही रास्ता था और जब भीड़ अनुमान से अधिक बढ़ती चली गई, तब भी पुलिस-प्रशासन को सूचित नहीं किया गया। इस पर पांडा का कहना कि इस घटना के लिए कोई जिम्मेदार नहीं, यह एक्ट ऑफ गॉड है- इक्कीसवीं सदी के वैज्ञानिक युग में इस तरह की सोच बेहद शर्मनाक है। यह उन लोगों की पीड़ा का मजाक उड़ाने जैसा है, जिन्होंने अपनों को खोया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। श्रीकाकुलम के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय श्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं।

यह कोई पहली घटना नहीं है। अतीत में प्रयागराज कुंभ, अयोध्या, हरिद्वार में प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर, सबरीमला, वैष्णो देवी, पुलकेश्वरम, देवरी मंदिर जैसे अनेक स्थलों पर भी ऐसी भगदड़ें हो चुकी हैं। चिंता की बात यह है कि पिछले हादसों से कोई सबक सीखने को तैयार नहीं है। केवल आंध्र में ही इस साल यह तीसरी बड़ी दुर्घटना है। जनवरी में तिरुपति और अप्रैल में विशाखापत्तनम के सिम्हाचलम में भगदड़ से कई मौतें हुई थीं। पूरे देश में इस साल अभी तक भगदड़ की विभिन्न घटनाओं में 114 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। हर बार सरकारें "सीख लेने" की बात करती हैं, लेकिन हकीकत यह है कि सीखने की क्षमता हमारे तंत्र से जैसे गायब हो चुकी है।

धार्मिक आयोजनों की भीड़ का अनुमान लगाना मुश्किल नहीं होता। आज तकनीक का युग है सीसीटीवी, ड्रोन, डिजिटल टिकटिंग, भीड़-सेंसरिंग सिस्टम जैसी आधुनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। परंतु इनका उपयोग नहीं किया जाता क्योंकि धर्म और आस्था के नाम पर "प्रबंधन" को हमेशा भाग्य पर छोड़ दिया जाता है। जब तक कोई हादसा न हो, तब तक कोई अधिकारी मंदिर परिसर में झांकने तक नहीं आता। और जब हादसा हो जाता है, तब "प्रेस कॉन्फ्रेंस" और "मुआवजा" की राजनीति शुरू हो जाती है। यह भी एक सामाजिक प्रश्न है कि क्या हमारी आस्था इतनी अंधी हो चुकी है कि हम सुरक्षा नियमों की अनदेखी कर देते हैं? क्या धार्मिक आयोजनों में अनुशासन और व्यवस्था का पालन करना हमारी श्रद्धा को कम कर देगा? श्रद्धा के नाम पर अराजकता, प्रशासनिक ढिलाई और अव्यवस्था का यह घातक संगम अब रुकना चाहिए। सरकारों को चाहिए कि वे भीड़ प्रबंधन को एक राष्ट्रीय नीति का हिस्सा बनाएं। हर बड़े धार्मिक स्थल पर स्थायी भीड़ नियंत्रण तंत्र विकसित किया जाए, जिसमें प्रवेश और निकास मार्ग स्पष्ट हों, आपातकालीन निकास गेट हों, प्रशिक्षित स्वयंसेवक हों, मेडिकल टीम और एम्बुलेंस की व्यवस्था हो।

स्थानीय प्रशासन को नियमित तौर पर सुरक्षा मॉक ड्रिल करनी चाहिए। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। आज जरूरत है केवल मुआवजे और जांच की नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने की। कौन अधिकारी लापरवाह था, किस विभाग ने सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी की, और क्यों भीड़ को अनियंत्रित छोड़ा गया- इन प्रश्नों का उत्तर दिए बिना जांच बेईमानी है। श्रीकाकुलम की यह त्रासदी एक और चेतावनी है। अगर अब भी सरकारें नहीं जागीं, तो आने वाले दिनों में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी, क्योंकि धार्मिक आस्था बढ़ रही है, पर प्रबंधन की मानसिकता वही पुरानी बनी हुई है। भीड़ केवल संख्या नहीं होती, वह जीवन है, वह परिवार है, वह उम्मीद है और जब वह कुचल जाती है, तो यह केवल एक हादसा नहीं, शासन की असफलता एवं सरकारी कोताही की द्योतक है। तमिलनाडु के करूर में तमिल सिनेमा के सुपरस्टार थलपति विजय की रैली में हुआ हादसा हो या फिर श्रीकाकुलम की घटना - कुछ गलतियां बार-बार दोहराई जा रही हैं। हादसों के बाद सबक लेने के बजाय जिम्मेदार लोग और संस्थाएं बचने का राश्ता तलाशने लगते हैं। सरकारों को समझना होगा कि भीड़ प्रबंधन भारत जैसे देश की जरूरत है। मुआवजे की घोषणा करके मामले को हल्का किया जा सकता है, लेकिन जवाबदेही तय हो और लापरवाही पर सजा मिले। क्या यह पुकार अब भी सत्ता के कानों तक नहीं पहुंचेगी?

डंकी रूट से लूट: युवाओं के सपनों की तस्करी

डॉ सत्यवान सौरभ

भारत के अनेक इलाकों में, विशेषकर हरियाणा, पंजाब, गुजरात और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में, एक नया और खतरनाक चलन तेज़ी से फैल रहा है — "डंकी रूट" के ज़रिये विदेश पहुंचने का सपना। यह शब्द 'डंकी' अंग्रेज़ी के डंकी से लिया गया है, जिसका मतलब है 'बिना अनुमति या अवैध राश्ते से जाना'। सुनने में यह किसी फिल्मी कहानी जैसा लगता है, पर हकीकत इससे कहीं ज़्यादा भयावह है। इस रूट ने न केवल युवाओं के भविष्य को निगल लिया है, बल्कि समाज और प्रशासन के सामने एक गंभीर मानवीय और आर्थिक संकट भी खड़ा कर दिया है।

भारत के ग्रामीण और अर्धशहरी इलाकों में 'विदेश जाना' अब सिर्फ़ एक आकांक्षा नहीं, बल्कि सफलता का प्रतीक बन गया है। नौकरी, मान-सम्मान, और बेहतर जीवन की तलाश में अनेक युवा अपना सब कुछ दांव पर लगा देते हैं। एजेंट उन्हें सुनहरे सपने दिखाते हैं — "बस कुछ दिनों में अमेरिका की जमीन पर खड़े होंगे", "डॉलर में सैलरी मिलेगी", "वहां का जीवन स्वर्ग जैसा है।''

पर सच यह है कि इन सपनों की कीमत कई बार ज़िंदगी होती है। डंकी रूट पर निकलने वाले अधिकांश युवाओं को यह नहीं बताया जाता कि यह यात्रा महीनों तक चल सकती है, जिसमें रेगिश्तान, समुद्र और खतरनाक जंगलों से होकर गुजरना पड़ता है। राश्ते में भूख, प्यास, ठंड और हिंसा का सामना करना पड़ता है। कई लोग तो इस सफ़र में लापता ही हो जाते हैं, जिनकी कोई खबर नहीं मिलती।

डंकी रूट का पूरा कारोबार एक संगठित नेटवर्क के तहत चलता है, जिसमें फर्जी ट्रैवल एजेंट, पासपोर्ट दलाल, स्थानीय मुखिया, और विदेशी गिरोह शामिल होते हैं। एक अनुमान के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 5000 से अधिक युवा अवैध रूप से विदेश जाने की कोशिश करते हैं, जिनसे एजेंट 15 से 25 लाख रुपये तक वसूलते हैं।

अमर उजाला की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2019 से 2025 तक 3053 फर्जी ट्रैवल एजेंट गिरफ्तार किए गए। पर असल संख्या इससे कहीं अधिक है, क्योंकि अधिकांश पीड़ित डर या शर्म के कारण शिकायत ही नहीं करते। एजेंट अक्सर बेरोजगारी और गरीबी से जूझते परिवारों को निशाना बनाते हैं, जो यह सोचते हैं कि बेटा 'विदेश में सेट हो जाएगा'। लेकिन परिणाम होता है कर्ज़, बर्बादी और टूटे सपने।

भारत से शुरू होकर यह रूट पाकिश्तान, ईरान, तुर्की, ग्रीस, इटली, फ्रांस, और अंततः मैक्सिको के राश्ते अमेरिका तक जाता है। इस सफर में लोग कई बार समुद्र में नावों में ठूंसे जाते हैं, मरुस्थल पार करते हैं, या बर्फ़ीले जंगलों में फंस जाते हैं। कई मानवाधिकार संगठनों ने रिपोर्ट दी है कि इस यात्रा में हर साल सैकड़ों भारतीय मारे जाते हैं या लापता हो जाते हैं। फरवरी 2023 में गुजरात के दो युवकों की मौत तुर्की के पास हुई थी। वे यूरोप की सीमा पार करने की कोशिश में थे। ऐसी घटनाएं अब सामान्य बन चुकी हैं। यह न सिर्फ एक अपराध है बल्कि मानवता पर कलंक भी।

अवैध प्रवासन के मामलों में अमेरिका और यूरोपीय देशों ने अब निगरानी तेज़ कर दी है। 2022 के बाद अमेरिका ने भारत के साथ 'डेटा शेयरिंग' समझौता किया है, जिससे डंकी रूट से पहुंचने वाले लोगों की तुरंत पहचान हो सके। पकड़े जाने पर उन्हें डीपोर्ट (वापस भेजा जाना) किया जाता है, और कई बार महीनों जेल में रहना पड़ता है।

दूसरी ओर, यूरोपीय यूनियन ने भी सख्त वीज़ा और एंट्री नियम लागू किए हैं। इसका असर यह हुआ है कि अब एजेंट और भी खतरनाक राश्ते अपनाने लगे हैं — जैसे समुद्री मार्ग या जंगलों से पार करवाना, जिससे जान

का खतरा और बढ़ गया है।

डंकी रूट सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी एक बड़ा बोझ है। युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा खेती और स्थानीय रोजगार से हटकर विदेश भागने के चक्कर में अपनी जमीन तक बेच देता है। गांवों में यह मानसिकता बन चुकी है कि "जो विदेश नहीं गया, वो सफल नहीं।''

इस प्रवृत्ति का परिणाम यह है कि गांवों की श्रमशक्ति घट रही है, परिवार कर्ज़ में डूब रहे हैं और युवाओं का विश्वास वैधानिक रोजगार प्रणालियों से उठ रहा है। यह स्थिति दीर्घकाल में भारत की जनसांख्यिकीय शक्ति को कमजोर करती है। भारत सरकार ने ट्रैवल एजेंटों के लिए रजिस्ट्रेशन और सत्यापन को अनिवार्य किया है। विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर ई-माइग्रेट पोर्टल भी शुरू किया गया है, जहां से वैध एजेंटों की सूची देखी जा सकती है। इसके बावजूद जागरूकता की कमी और भ्रष्ट तंत्र के कारण फर्जी एजेंट अब भी सक्रिय हैं।

कानून मौजूद है — इमिग्रेशन एक्ट 1983 और पासपोर्ट एक्ट 1967 — पर इनकी प्रभावी क्रियान्विति नहीं हो पा रही। छोटे कस्बों में एजेंट खुलेआम "विदेश भेजने" के विज्ञापन लगा देते हैं, और पुलिस की नज़र उन पर तब पड़ती है जब कोई बड़ी दुर्घटना होती है।

मीडिया ने इस मुद्दे पर समय-समय पर जागरूकता बढ़ाने की कोशिश की है। अमर उजाला जैसे अख़बारों ने यह दिखाया कि कैसे "डंकी रूट से लूट" का धंधा हरियाणा, पंजाब, और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सैकड़ों गांवों में फैल चुका है।

पर इसके साथ समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। क्यों युवाओं को लगता है कि देश में रहकर वे सफल नहीं हो सकते? क्यों विदेश जाना ही प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया है? क्यों गांवों में वह वातावरण नहीं बन पा रहा जो युवाओं को यहाँ अवसर दे सके? गांव-गांव, कॉलेजों और पंचायतों के श्तर पर अवैध प्रवासन के खतरों पर अभियान चलाया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय, श्रम विभाग और मीडिया मिलकर यह सुनिश्चित करें कि कोई भी युवा बिना वैध प्रक्रिया के विदेश न जाए।

ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल विकास, स्वरोजगार, और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि विदेश जाने का आकर्षण घटे। फर्जी एजेंटों को केवल गिरफ्तार करना पर्याप्त नहीं; उनके वित्तीय नेटवर्क को तोड़ना ज़रूरी है। संपत्ति जब्ती और लंबी सजा जैसे प्रावधानों को सख्ती से लागू किया जाए।

समाज को यह समझना होगा कि सफलता केवल विदेशी ज़मीन पर कदम रखने से नहीं आती। देश में भी अवसर हैं — बस दृष्टिकोण बदलने की जरूरत है। भारत को उन देशों से मिलकर काम करना चाहिए जहाँ ये नेटवर्क सक्रिय हैं, ताकि सीमा पार मानव तस्करी पर रोक लगे।

भारत के पास विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी है। यह जनसांख्यिकीय संपदा तभी वरदान बन सकती है जब उसे सही दिशा दी जाए। यदि यही युवा अवैध राश्तों में झोंक दिए गए तो यह राष्ट्र की अपार क्षति होगी।

डंकी रूट से बचने के लिए केवल कानून नहीं, बल्कि विचार और विवेक की ज़रूरत है। यह समझना होगा कि कोई भी सपना इतना बड़ा नहीं हो सकता जो इंसान की गरिमा, सुरक्षा और आत्मसम्मान से बड़ा हो।

डंकी रूट सिर्फ एक अपराध की कहानी नहीं, यह भारत के युवाओं की हताशा, बेरोजगारी और भ्रम की गाथा है। जब तक समाज और सरकार मिलकर युवाओं को वैधानिक, सुरक्षित और सम्मानजनक अवसर नहीं देंगे, तब तक ऐसे एजेंटों का धंधा फलता-फूलता रहेगा।

यह समय है कठोर कार्रवाई का, सच्ची जागरूकता का और उस सोच को बदलने का जो यह मानती है कि "विदेश जाना ही सफलता है।'' क्योंकि असली विकसित भारत वह होगा - जहाँ युवा अपने ही देश में अपने सपनों को साकार कर सकें।

हम दिखावे में नहीं सेवा पर विश्वास रखते हैं

संजय गोस्वामी

ममता कुलकर्णी के दाऊद इब्राहिम पर शब्द एक विवाद से जुड़े हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि वह आतंकवादी नहीं है, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण दिया। इस विवाद के कारण जनवरी 2025 में किन्नर अखाड़े ने उन्हें महामंडलेश्वर के रूप में उनकी आध्यात्मिक भूमिका से निष्कासित कर दिया। प्रारंभिक विवादास्पद बयानः कुलकर्णी ने कथित तौर पर कहा था कि दाऊद इब्राहिम आतंकवादी नहीं है। बाद में स्पष्टीकरणः उन्होंने बाद में इन टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण दिया लेकिन इसका क्या मतलब ऐ तो देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए आखिर महा कुम्भ में मैं ना जाकर बहुत अच्छा किया क्योंकि मुझे मालूम था वहाँ आस्था की नहीं पैसे वाले, राजनेता, माफियाओ की की भी टोली होगी।

इसमें हमेशा वही लोग आते हैं जिन्हे लगता है मुझे अमृत मिल गया और अब मैं कभी मरूंगा नहीं लेकिन वहाँ जाने पर आप को इस बात की जरूर चिंता करनी चाहिए कि आखिर ममता कुलकर्णी ने वहाँ गई भी हो तो उन्हें महामंडलेश्वर पद पर रखने से पहले क्यों नहीं उसकी जाँच की गई जरुरत ऐ नहीं की हम अमृत का पान करें जरुरत ऐ है कि दाऊद जैसे मुंबई बम ब्लास्ट का मुख्य आरोपी के प्रति इतनी भोलापन कैसा ऐ भी उस समय हुआ जब अयोध्या में भगवान राम के मंदिर के प्रति लोगों की आस्था थी और बाबरी मस्जिद को लेकर कुछ अल्पसंख्यक का अलग मत था क्या महा कुम्भ में भगवान राम नहीं आए एक बात सुन ले जहाँ भी भगवान राम नहीं जाते हैं वहाँ क़ोई भी पूजा पाठ सफल नहीं होगा।

मैं उनके चरणों को प्रणाम करता हूँ मेरी आस्था अमृत पाने की नहीं बल्कि भगवान राम के लिए जीना और उनके लिए मरना है जिंदगी में सबको देख लीजिये अगर आपके पास धन दौलत है तो लोग आते हैं लेकिन जैसा ही आप बीमार होते है तो कितने लोग सिर्फ झांकी मारने आते हैं सेवा एक दो या नर्स के सहारे होता है बाद में लोग अजीज होकर वही लोग मरने की दुआ करते हैं।

लेकिन मन में अगर भगवान राम को सच्चे दिल से याद करेंगे तो एक असीमित शक्ति का अहसास होगा यही राम की दयालुता है जो सभी कष्ट से मुक्त करता है एक बार भी स्कूल में इसका ज्ञान सही तरीके से दिया जाए तो समाज में दिखावापन, अंधभक्ति, अंधविश्वास आदि दूर होंगे और सत्य की राह पर चलेंगे, आज जो महाकुम्भ में जाकर भगवान की भक्तई के बारे में जो अवधारना है उसे दूर करने की कोशिश करेंगे क्या एक दिन में या 3-4 दिन में गाड़ी चलाना सीखा जा सकता है नहीं वैसे ही ईश्वर की भक्ति 2-3 दिन का खेल नहीं है भक्ति को जानने के लिए राम भक्त हनुमान की बात करते हैं हनुमान जैसा राम का भक्त क़ोई नहीं हुआ क्योंकि उनके पास राम रसायन था और ब्रह्मचारी थे।

वो तो हमेशा राम नाम का ही जाप करते थे अतः भक्ति के प्रतीक हनुमान के बारे में बात करते हैं, जिसमें बताया गया है कि किसी के जीवन में हनुमान बनने के लिए क्या करना पड़ता है और किसी को हनुमान कहने का क्या अर्थ है। इसे विश्तार से समझाने के लिए, मैं आपको भगवान राम और हनुमान के प्रति उनके प्रेम की एक सुंदर कहानी सुनाता हूँ। भगवान राम और हनुमान की कथाः राम भक्त हनुमान अनगिनत कथाओं में से, भगवान राम और हनुमान की कथा, रामायण का यह विशेष पहलू मुझे हमेशा मुस्कुराहट देता है।

भगवान राम के राज्याभिषेक के बाद, हनुमान जी अयोध्या में ही रहे और उन्होंने भगवान राम की सभी सेवाओं में पूरी तत्परता से भाग लिया। अन्य लोगों को अपने प्रिय भगवान राम की किसी भी प्रकार की सेवा करने का अवसर नहीं मिला। लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न स्वयं को सेवा करने में असमर्थ महसूस कर रहे थे। उन्होंने माता सीता से हश्तक्षेप करने के लिए कहा। सीता देवी ने समझाया कि वह भी अपने प्रभु की सेवा नहीं कर सकतीं। उन्होंने एक सेवा कार्यक्रम बनाने का निर्णय लिया, जिसमें सभी कार्य आपस में बाँट लिए गए, लेकिन हनुमान जी को इसमें शामिल नहीं किया गया। इसलिए, चारों ने विचार-विमर्श किया और सुबह से लेकर भगवान राम के सोने तक की सेवाओं का एक कार्यक्रम तैयार किया।

उन्होंने भगवान राम की स्वीकृति के लिए कार्यक्रम सीता देवी को प्रश्तुत किया। सीता देवी उसे लेकर उनके पास गईं। कार्यक्रम की समीक्षा करने पर, भगवान राम ने देखा कि हनुमान जी को कोई सेवा नहीं दी गई थी। वे अपने भाइयों और सीता देवी की भावनाओं और हनुमान जी को न देने के पीछे के उद्देश्य को समझ गए। उन्होंने परिणाम का पूर्वाभास कर लिया, लेकिन केवल मुस्कुराए और सीता से पूछा कि उन्हें क्या करना चाहिए। सीता देवी ने भगवान राम से सूची पर हश्ताक्षर और मुहर लगाने का अनुरोध किया, जिससे यह आधिकारिक हो जाए। भगवान राम ने ऐसा किया और सूची प्रदर्शित की गई।

अगले दिन, हनुमान जी भोलेपन से भगवान राम के कक्ष में राम के पैर की मालिश करने के लिए गए। लक्ष्मण ने हनुमान जी को यह समझाते हुए पुनः निर्देशित किया कि स्वीकृत कार्यक्रम के अनुसार सेवा शत्रुघ्न को सौंपी गई थी। हनुमान जी ने पाया कि उन्हें किसी भी सेवा में शामिल नहीं किया गया था और वे उपेक्षित महसूस कर रहे थे। खुद को सांत्वना देने के बाद, हनुमान जी ने लक्ष्मण से पूछा कि क्या वे कोई अनिर्धारित सेवा कर सकते हैं।

लक्ष्मण सहमत हो गए, उन्हें विश्वास था कि उन्होंने कोई भी कार्य अनदेखा नहीं किया है। हनुमान जी ने जम्हाई लेने की सेवा का प्रश्ताव रखा - भगवान राम के जम्हाई लेने पर अपनी उंगलियाँ चटकाना, जिससे उन्हें बुरे प्रभावों से बचाया जा सके। इस कार्य के पीछे छिपी बुद्धिमत्ता से अनभिज्ञ, वे सहमत हो गए।

चूँकि जम्हाई अप्रत्याशित रूप से आ सकती थी, हनुमान जी निरंतर सतर्क रहे। उन्होंने प्रसाद ग्रहण करने की अपनी परंपरा भी बदल दी और भगवान राम के जम्हाई लेने पर अपना दाहिना हाथ चटकाने के लिए खाली रखा, जिससे उनकी अटूट प्रतिबद्धता का परिचय मिला।

माता सीता, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न चकित थे। भगवान राम मन ही मन मुस्कुराए, हनुमान जी की अद्वितीय बुद्धिमत्ता को स्वीकार करते हुए। एक रात, भगवान राम शयन कक्ष में चले गए। सीता देवी के विरोध के बावजूद हनुमान जी भी उनके पीछे चले गए।

हनुमान जी ने रात में भगवान राम की सेवा करने पर ज़ोर दिया, यह कहते हुए कि यह आवश्यक है। यह बातचीत देखकर, भगवान राम ने हनुमान जी को विश्राम करने का निर्देश दिया। आदेश का पालन करते हुए, हनुमान जी चले गए। हालाँकि, उन्होंने बालकनी से भगवान राम का नाम जपते और उंगलियाँ चटकाते हुए अपनी सेवा जारी रखी। भगवान राम बार-बार जम्हाई लेने लगे, जब तक कि वे थक कर गिर नहीं पड़े, जिससे सभी आश्चर्यचकित हो गए।

सभी ने ढूँढ़ा और किसी तरह बालकनी से हनुमान जी को ढूँढ़ निकाला और उन्हें ले आए। हनुमान जी ने अपने भगवान राम की हालत देखी और तुरंत उँगलियाँ चटकाना बंद कर दिया और भगवान राम के चरणों में गिर पड़े। भगवान राम का मुँह उसी क्षण बंद हो गया।

भगवान राम अपने परम भक्त की सेवा स्वीकार करना चाहते थे। हालाँकि ऐसा प्रतीत होता है, यह भगवान राम की जम्हाई पर हनुमान जी की झपकी नहीं थी, बल्कि इसके विपरीत, यह हनुमान जी की झपकी पर भगवान राम की जम्हाई थी। एक भक्त और अपने भगवान के बीच के बंधन की शक्ति को देखकर, सभी भाइयों और सीता देवी ने हनुमान जी के अपने भगवान राम की प्रेमपूर्ण सेवा के दृढ़ संकल्प को समझा और निर्णय लिया कि वे भविष्य में कभी भी इसमें हश्तक्षेप नहीं करेंगे। भगवान राम और हनुमान की कथा हमें हनुमान की अटूट सेवा को समझने में मदद करती है।

- भगवान राम के राज्याभिषेक के बाद, उनके जीवन को आसान बनाने के लिए अयोध्या में ही रहने का निर्णय लेना।
- भगवान राम की सेवा में पूरी तरह से तत्पर रहना, इसे अपनी आवश्यकताओं से ऊपर रखना।
- किसी भी कार्य, कर्म या सेवा को छोटा या बड़ा न समझना और सभी कर्मों में सेवा के अवसर के रूप में महत्व देखना। लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न की दुविधाः
- लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न को लगा कि वे सेवा करने में बिल्कुल भी सक्षम नहीं हैं।
- उन्होंने एक सेवा कार्यक्रम बनाने का निर्णय लिया और सभी सेवाओं को आपस में बाँट लिया। भगवान राम की समझ और हनुमान का दृढ़ संकल्प
- भगवान राम को एहसास हुआ कि हनुमान जी को कोई सेवा नहीं दी गई है।
- चाल को समझते हुए भी, भगवान राम ने केवल मुस्कुराकर सीता से सलाह ली और उनसे भिड़ने के बजाय, शांति को प्रोत्साहित किया।
- हनुमान जी ने एक अनोखी सेवा का सुझाव दिया - जम्हाई लेने की सेवा, ताकि भगवान राम को जम्हाई लेते समय बुरे प्रभावों से बचाया जा सके, जो हनुमान की चतुराई और समर्पण को दर्शाता है। भगवान राम और हनुमान की कथा हनुमान के अद्वितीय और अटूट समर्पण को दर्शाती हैः
- हनुमान जी ने परंपरा के विरुद्ध जाकर दाहिने हाथ से प्रसाद खाया, भगवान राम की रक्षा के लिए अपने दाहिने हाथ की उँगलियाँ चटकाते थे।
- रात में भी, वे भगवान राम के पास रहने पर ज़ोर देते थे, जिससे उनकी सेवा का महत्व स्पष्ट होता था। • भगवान राम की सेवा के लिए रात भर जागते रहते थे।
- हनुमान की अनुपस्थिति का पता चला, और उन्हें ढूँढ़ने पर, भगवान राम की हालत में तभी सुधार हुआ जब हनुमान ने उनकी सेवा फिर से शुरू की। भक्ति का चरम प्रदर्शन और भगवान राम की स्वीकृतिः
- भगवान राम का स्वस्थ होना एक भक्त और उसके भगवान के बीच के बंधन को रेखांकित करता है, जो हनुमान की अटूट भक्ति और अपने भक्त के प्रति भगवान के प्रेम को दर्शाता है।
- इस घटना ने भगवान राम सहित सभी को हनुमान के समर्पण से विस्मित कर दिया। भक्ति का एक पाठः देखिए, भगवान राम और हनुमान की कथा हमें भगवान राम और हनुमान जी के बीच के बंधन की व्याख्या और याद दिलाती है, जो अटूट भक्ति का एक शाश्वत उदाहरण है। यह हमें अध्यात्म के मार्ग में समर्पण और निस्वार्थ सेवा की शक्ति की याद दिलाता है।

अतः क़ोई कुछ भी कहता रहे यहाँ जाने से पाप धूल जायेगा या अमृत मिलेगा ऐ सब व्यर्थ है संघर्ष और त्याग ही आपको महान बनाता हैं, हम कट्टर राम भक्त नहीं सच्चा राम भक्त हैं जिसकी मर्यादा इतनी सुन्दर तो वो कितना सुन्दर होगा।

अतः हम दिखावे में नहीं सेवा पर विश्वास रखते हैं जो मानवता के भलाई हेतु हो और मन में नियंत्रण हो गलत सोच का अच्छे लोगों के संपर्क में रहे और अच्छा सोचें और अच्छा करें।

पहाड़वालों की जिजिविषा की देन है उत्तराखंड राज्य

अशोक मधुप

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस हर वर्ष नौ नवम्बर को मनाया जाता है। स्थापना के 25 साल पूरे होने पर इस वार स्थापना दिवस को विशेष उत्साह से मनाया जा रहा है।

एक नवंबर से 11 नवंबर तक प्रदेश भर में राज्य स्थापना के 25 साल पूरे होने पर रजत जयंती कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस कड़ी में तीन नवंबर को विधानसभा के विशेष सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का विशेष संबोधन हुआ तो वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नौ नवंबर के जश्न में शामिल होंगे।

नौ नवंबर यह दिन उत्तराखंड के लोगों के संघर्ष, बलिदान और अदम्य जिजीविषा की याद दिलाता है। यह वह तारीख है जब नौ नवंबर 2000 को भारत का 27वाँ राज्य — उत्तराखंड (प्रारंभिक नाम "उत्तरांचल") — अशितत्व में आया। वर्षों के लंबे जनसंघर्ष, आंदोलन और अनेक बलिदानों के बाद यह पर्वतीय प्रदेश आखिरकार अपनी अलग पहचान पाने में सफल हुआ।

स्वतंत्रता के बाद उत्तर प्रदेश का हिस्सा रहे पहाड़ी क्षेत्रों के लोग प्रशासनिक उपेक्षा, रोजगार की कमी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे।

मैदानों से अलग भौगोलिक परिस्थितियों वाले इस क्षेत्र के लोग लंबे समय से अलग राज्य की मांग कर रहे थे। 1952 में प्रथम पृथक राज्य आंदोलन की आवाज उठी , लेकिन उस समय इसे गंभीरता से नहीं लिया गया।

धीरे-धीरे यह भावना जनमानस में गहराई तक बैठ गई। यहां के निवासी सोचने लगे कि अलग राज्य बनने पर ही प्रदेश का विकास होगा। प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिलेंगे। 1970 के दशक में "उत्तरांचल क्रांति दल" जैसे संगठनों ने इस मांग को संगठित रूप से आगे बढ़ाया। 1994 में यह आंदोलन निर्णायक चरण में पहुँचा।

तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नौकरियों में आरक्षण नीति को लेकर एक विवादास्पद निर्णय लिया गया, इससे पहाड़ी क्षेत्र के लोगों में असंतोष फैल गया। इस दौरान मसूरी, खटीमा, मुज़फ्फरनगर, रामपुर तिराहा जैसी जगहों पर प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने गोलीबारी की। इन घटनाओं ने आंदोलन को और तीव्र कर

दिया।

राज्य निर्माण के संघर्ष में अनेक लोगों ने अपने प्राण न्योछावर किए।

खटीमा (जनपद ऊधमसिंहनगर) में एक सितम्बर 1994 शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे राज्य आंदोलनकारियों पर पुलिस ने गोली चला दी। कई लोग मारे गए और अनेक घायल हुए। यह घटना राज्य आंदोलन की चिंगारी बनी। अगले ही दिन दो सितम्बर 1994 मसूरी में आंदोलनकारियों पर गोलीबारी हुई। राज्य आंदोलन के अग्रणी नेता इंद्रमणि बडोनी के नेतृत्व में आंदोलन चल रहा था। कई महिलाओं और युवाओं ने इस संघर्ष में भाग लिया।

उत्तराखंड राज्य आंदोलन का सबसे काला अध्याय माना जाता है। मुज़फ्फरनगर के रामपुर तिराहा कांड। यहां पर दो अक्टूबर 1994 दिल्ली कूच कर रहे आंदोलनकारियों पर बेरहमी से गोली चलाई गई, लाठीचार्ज हुआ और महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार हुआ।

इस घटना ने पूरे देश को हिला दिया और अलग राज्य की मांग राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बन गई। कर्णप्रयाग, गैरसैंण और श्रीनगर जैसे स्थानों पर भी अनेक लोगों ने अपनी जान दी और जेलों में यातनाएँ सहीं।

इन घटनाओं से आंदोलन में नया जोश आया। जनता सड़कों पर उतर आई, छात्र, महिलाएँ, बुजुर्ग और किसान — सभी ने इसमें भाग लिया।

आखिरकार, केंद्र सरकार ने आंदोलन की तीव्रता को देखते हुए पृथक राज्य की मांग पर विचार शुरू किया। एक अगश्त 2000 को संसद में "उत्तरांचल राज्य विधेयक" पारित हुआ । नौ नवम्बर 2000 को यह राज्य आधिकारिक रूप से अशितत्व में आया।

इस दिन उत्तर प्रदेश के पहाड़ी जिलों — देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी, टिहरी, उत्तरकाशी, चमोली, अल्मोड़ा, नैनीताल, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चंपावत और ऊधमसिंहनगर — को मिलाकर उत्तरांचल राज्य बना। बाद में 2007 में राज्य का नाम बदलकर "उत्तराखंड" रखा गया। राज्य आंदोलन के दौरान अनेक नेताओं और कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

"उत्तराखंड के गांधी" के नाम से विख्यात इंद्रमणि बडोनी शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन को जनांदोलन का रूप दिया। डॉ. शमशेर सिंह बिष्ट, प्रेमलाल, शांति मेहरा, त्रिलोक सिंह नेगी, सुशीला बलूनी, राजेन्द्र सिंह आसवाल, गोविंद सिंह रावत जैसे अनेक लोगों ने अपने श्तर पर नेतृत्व किया। महिला आंदोलनकारियों ने भी अग्रणी भूमिका निभाई। पहाड़ी महिलाएँ रात-दिन सड़कों पर रहीं और नारे गूँजे — "हमारा उत्तराखंड कैसा हो, वीरों की बलिदानी जैसा हो।"

प्रदेश बनने के बाद पिछले 25 वर्षों में उत्तराखंड ने शिक्षा, पर्यटन, सड़क, ऊर्जा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, नैनीताल और पिथौरागढ़ जैसे स्थान अब अंतरराष्ट्रीय श्तर पर पहचाने जाते हैं।

राज्य ने अपनी समृद्ध लोकसंस्कृति, लोकनृत्य, संगीत, और पर्वों (जैसे नंदा देवी राजजात, हरेला, फूलदेई) के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। इतना कुछ होने के बाद भी राज्य को पलायन, बेरोजगारी, पर्यावरणीय असंतुलन और भूकंपीय खतरे जैसी चुनौतियों से जूझना पड़ रहा है। राज्य निर्माण के मूल उद्देश्य — "पर्वतीय विकास और स्वावलंबन" — की भावना को साकार करना आज भी जरूरी है। इस पर कुछ काम नही हुआ।

उत्तराखंड राज्य की स्थापना केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि जनबलिदान और त्याग का परिणाम है। हर वर्ष नौ नवम्बर को यह दिन याद दिलाता है कि इस राज्य के निर्माण में कितने नौजवानों ने अपने सपनों और प्राणों की आहुति दी।

प्रदेशवासियों का कर्तव्य है कि हम उनके सपनों के अनुरूप एक समृद्ध, स्वावलंबी और पर्यावरण-संतुलित उत्तराखंड का निर्माण करें ,ताकि आने वाली पीढ़ियाँ गर्व से कह सकें —"यह वही धरती है जहाँ बलिदानों ने इतिहास रचा था।"

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोनः 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेलः todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

दो शातिर चोर दबोचे

❋ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ❋। थाना सासनीगेट पुलिस टीम द्वारा चोरी के प्रकरण में वांछित दो शातिरों को मय चोरी की घटना से सम्बन्धित रुपये व घटना में प्रयुक्त स्कूटी सहित गिरफ्तार किया गया है। पुलिस टीम द्वारा चोरी के मामले में वांछित आरोपी सतेन्द्र पुत्र सुमेर सिंह निवासी गढ़ी की सराय थाना सासनीगेट, पुनीत पुत्र राजू निवासी सराय वृन्दावन थाना सासनीगेट को मय चोरी के सामान की बिक्री से प्राप्त 1530 रुपये व घटना में प्रयुक्त स्कूटी सहित मथुरा रोड पर ओवर ब्रिज के नीचे थाना सासनी गेट क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है।

चार शातिर अपराधियों को पकड़ा

❋ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ❋। थाना रोरावर पुलिस टीम द्वारा दंगे, घातक हथियारों से लैस दंगे, आपराधिक धमकी और चोट पहुँचाने जैसे अपराध में वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। थाना रोरावर पुलिस टीम द्वारा दंगे, घातक हथियारों से लैस दंगे, आपराधिक धमकी और चोट पहुँचाने जैसे अपराध में वांछित संजय कुमार पुत्र बलवीर सिंह निवासी गली न0 8 देवी नगला थाना महुआखेड़ा,शिवराज पुत्र लल्लू पाल उर्फ किशनपाल निवासी देवी नगला थाना महुआखेड़ा,दुष्यन्त पुत्र राजकुमार निवासी धनीपुर थाना गांधीपार्क,सतेन्द्र पुत्र भूरी सिंह निवासी बाबा कालोनी थाना गांधीपार्क को धनीपुर मण्डी के पास थाना गाँधीपार्क से गिरफ्तार किया गया है।

डीएम ने किया सांकरा गंगा घाट का निरीक्षण

❋ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ❋। जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा कार्तिक पूर्णिमा नहान पर्व के दृष्टिगत सोमवार देर सांय सांकरा गंगा घाट का स्थलीय निरीक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एसडीएम अतरौली सुमित सिंह ने बताया कि सांकरा गंगा घाट पर पुल बन जाने से क्षेत्रीय निवासियों के साथ-साथ संभल व बदायूं जनपद के श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए आते हैं। कार्तिक पूर्णिमा पर विशेष स्नान पर्व के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। डीएम ने तहसील प्रशासन को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए गंगा घाट पर सभी प्रकार की सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए जाएं। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी या असुविधा न होने दी जाए। जिलाधिकारी ने गंगा घाट का स्थलीय निरीक्षण करस्नान पर्व के दृष्टिगत अतिरिक्त सुरक्षा व सतर्कता बरतने का आह्वान किया। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को बांस-बल्ली से गंगा में बेरीकेटिंग एवं अन्य सुरक्षा इंतजाम, साफ-सफाई समेत अन्य आवश्यक प्रबन्ध करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि स्थानीय शतर पर गोताखोरों की तैनाती की जाए ताकि आकस्मिक घटनाओं के समय जनहानि को न्यून किया जा सके। निरीक्षण दौरान तहसीलदार राजेश कुमार वर्मा, नायब तहसीलदार शान-ए-हैदर, लेखपाल नरेश यादव समेत स्थानीय पुलिस के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ऑटो में छूटा मोबाइल फोन कराया वापस

❋ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ❋। पुलिस की इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर टीम द्वारा सीसीटीवी कैमरों की मदद से ऑटो में छूटा मोबाइल फोन सकुशल बरामद कर यात्री को वापस कराया गया। आवेदिका ने पुलिस को अवगत कराया कि वह नौरंगाबाद से दुबे के पड़ाव की तरफ जा रही थी, उसी दौरान उनकी पॉकिट से फोन निकल कर ऑटो में छूट गया और काफी प्रयास के बाद भी ऑटो नहीं मिल रहा था। एसएसपी द्वारा आमजन की शिकायत/सूचना पर तत्काल कार्यवाही करने हेतु दिये गए आदेश-निर्देशों के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक यातायात अलीगढ़ के निर्देशन में इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन किया गया तथा जिस ऑटो में आवेदिका का मोबाइल फोन छूटा था, उस ऑटो चालक की पहचान एवं जानकारी करते हुए, ऑटो चालक को मोबाइल सहित इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर बुलाकर मोबाइल बरामद कर आवेदिका को सुपुर्द कराया गया। आवेदिका द्वारा ऑटो में छूटा अपना मोबाईल वापस मिलने पर अलीगढ़ पुलिस का धन्यवाद कर भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

सांस्कृतिक विविधता की वास्तविकता पर विचार की आवश्यकता है: प्रो. हेमलता

❋ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ❋। अमुवि के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "समकालीन हिन्दी उपन्यासः समय, समाज और संस्कृति का प्रतिरोधी स्वर" के दूसरे दिन के सत्र भी उतने ही विचारोत्तेजक और सारगर्भित रहे जितने पहले दिन के थे। जहाँ पहले दिन के सत्रों में समय, समाज और विचारधारा के अंतर्संबंधों पर विमर्श हुआ, वहीं दूसरे दिन की चर्चा का केंद्र सांस्कृतिक विविधता, स्त्री स्वायत्ता और पर्यावरणीय चेतना जैसे महत्वपूर्ण विषय रहे। मुख्य वक्ता प्रो. हेमलता महिश्वर (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली) ने दलित उपन्यासों पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज के समय में सांस्कृतिक विविधता की वास्तविकता पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

राजधानी की हवा उम्मीद से ज्यादा बीमार, दिवाली बाद एक्यूआई 400 के पार

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ की हवा अब गंभीर रूप से प्रदूषित हो चुकी है। बढ़ती आबादी, बढ़ते वाहन और दीवाली पर छोड़े गए पटाखों ने शहर की सांसें थाम दी हैं। रिमोट सेंसिंग एप्लिकेशन सेंटर (आरएसएसी) के वैज्ञानिकों की ओर से किए गए पोस्ट-मानसून सर्वे में खुलासा हुआ है कि शहर की आबोहवा बेहद बीमार है और सिर्फ छह एक्यूआई सेंटरों से इसे मापना नाकाफी है।

282 जगहों पर मापी गई हवा, कई इलाकों में हवा जहरीली

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सुधाकर शुक्ला की अगुवाई में वैज्ञानिकों की टीम डॉ. राजीव, नीलेश, पल्लवी, ममता, वैभव, शाश्वत, सौरभ और सुजीत ने 21 से 24 अक्तूबर के बीच पूरे शहर के 110 वार्डों और 8 जोनों में 282 स्थानों पर पोस्ट-मानसून हवा की गुणवत्ता जांची। साथ ही जिओ-स्पैशियल तकनीक के जरिए मानचित्रीकरण किया। पोर्टेबल एक्यूआई डिटेक्टर से जुटाए गए आंकड़ों में सामने आया कि पोस्ट-मानसून और दीवाली के बाद कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 से ऊपर पहुंच गया। यह स्तर स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक माना जाता है। दिवाली के दिन और इसके अगले दिन के जलाए गए पटाखों की वजह से राजधानी में शोर का स्तर 893 डेसिबल तक पहुंच गया। शोर का

यह भयावह स्तर बुजुर्गों, दिल के मरीजों और पशु-पक्षियों के लिए बेहद घातक है।

500 वर्ग किलोमीटर में 40 लाख लोग- हवा पर बढ़ रहा दबाव

लखनऊ अब लगभग 500 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और यहां 40 लाख से ज्यादा आबादी निवास करती है। उद्योगों के साथ ही सड़कों पर वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ी है। अनियंत्रित निर्माण कार्यों ने हवा की गुणवत्ता को लगातार बिगाड़ा है।

दिवाली पर हरे भरे कैंट की भी हवा हुई खराब

सर्वे के मुताबिक अलीगंज, अमीनाबाद, चौक और विकासनगर जैसे घनी आबादी वाले इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित रहे। औद्योगिक क्षेत्र तॉलकटोरा में भी प्रदूषण का स्तर भयावह रूप ले चुका है। आश्चर्यजनक रूप से, अब तक साफ हवा वाला इलाका माने जाने वाले कैंट एरिया की स्थिति भी अब पहले जैसी नहीं रही।

कृत्रिम बारिश का विचार सवालों के घेरे में, बच्चों के लिए है घातक

राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों की सरकारों की ओर से प्रदूषण घटाने के लिए कृत्रिम बारिश के विकल्प पर विचार किया जा रहा है।वैज्ञानिकों ने चेताया कि प्रदूषण घटाने के लिए सिल्वर आयोडाइड रसायन से कृत्रिम बारिश कराने का तरीका अपनाना बच्चों के लिए घातक साबित हो सकता है। यह खतरनाक कंपाउंड मिट्टी, पानी और वातावरण में स्थाई तौर पर जमा होकर इसे दूषित कर त्वचा और श्वास संबंधी रोगों व समस्याओं को बढ़ा सकता है।

बनाने होंगे ज्यादा एक्यूआई मॉनीटरिंग सेंटर

शोध के बाद रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि सिर्फ छह वायु गुणवत्ता मापक केंद्रों से नहीं, बल्कि शहर के अधिक से अधिक इलाकों में नए एक्यूआई मॉनिटरिंग सेंटर लगाए जाएं। वैज्ञानिकों का मानना है कि इससे हर वार्ड की असली वायु प्रदूषण की स्थिति की सटीक तस्वीर सामने आएगी। साथ ही आम लोगों को भी प्रदूषण रोकथाम के लिए सजग और साक्षर बनना होगा। औद्योगिक उत्सर्जन, वाहनों के प्रदूषण की जांच, सही ट्रैफिक व्यवस्था, दिवाली पर पटाखों का सीमित उपयोग, हरियाली को और बढ़ाना होगा।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में दिल्ली में होगी शिक्षकों की महारैली

लखनऊ , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा शिक्षण सेवा में बने रहने व पदोन्नति के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने के बाद शिक्षक संगठनों ने नवंबर-दिसंबर में दिल्ली कूच का एलान किया है। लेकिन नवंबर अंत में होने वाले एक बड़े कार्यक्रम से अब इसकी संभावना नहीं है। यही वजह है कि नौ राज्यों के शिक्षक संगठन टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) ने अब पांच दिसंबर को दिल्ली कूच का एलान किया है।

टीएफआई ने पिछले दिनों दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में बैठक कर 21 नवंबर को जंतर मंतर पर महारैली की थी। टीएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि नवंबर के अंत में सिख समाज ने एक राष्ट्रीय आयोजन किया है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हो रहे हैं। इससे दिल्ली प्रशासन ने नवंबर में रैली की अनुमति निरस्त कर दी है। इसे देखते हुए हमने पांच दिसंबर को महारैली करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली रैली के लिए संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। महारैली के माध्यम से हम 27 जुलाई 2011 को टीईटी लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को इससे मुक्त रखने की मांग करेंगे ताकि देश भर के लाखों शिक्षकों को राहत मिल सके।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा भी कर रहा तैयारी

अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा भी 24 नवंबर को दिल्ली में जंतर मंतर पर प्रदर्शन की तैयारी कर रहा है। मोर्चा पदाधिकारियों के अनुसार इसमें यूपी से दो लाख से अधिक शिक्षक जाएंगे। इसके लिए सभी संघटक संगठनों को अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। मोर्चा ने टीईटी लागू होने से पहले शिक्षकों पर इसे थोपे जाने का विरोध कर रहे हैं।

पीएम का दौरा... बरेका में बन रहे तीन हेलिपैड, स्ट्रीट पोल पर हो रही तिरंगी लाइटिंग

वाराणसी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो दिवसीय दौरे को ध्यान में रखकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। बाबतपुर से लेकर बरेका तक के रूट को दुरुस्त किया जा रहा है। लगातार अधिकारियों का निरीक्षण और भ्रमण चल रहा है। बरेका के खेल मैदान में तीन हेलिपैड बनाने का काम शुरू हो गया है। यहां तीन ट्रैक्टर ईंट के साथ 50 से अधिक मजदूर मैदान को समतल करने में जुटे हैं। पीडब्ल्यूडी की देखरेख में यहां हेलिपैड बन रहा है।

बरेका के अंडरपास में पहले काफी मलबा पड़ा था। इसे हटवाने के साथ रंगरोगन शुरू किया गया है। सड़क के डिवाइडरों पर रंग रोगन का काम चल रहा है। सड़कों पर सफेद पेंटिंग कराई जा रही है। सफाई से लेकर सड़क बनाने के लिए मजदूर लगाए गए हैं। पेड़ों की टहनियों के साथ बरेका खेल मैदान के घास काटे जा रहे हैं।

बाबतपुर से लेकर बरेका तक के अलावा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, कालभैरव मंदिर के अलावा बनारस स्टेशन मार्ग की साफ सफाई युद्ध स्तर पर चल रही है। बनारस स्टेशन के सामने एफसीआई मार्ग पर आधी नई सड़क सीमेंट की बनाई गई है। जबकि आधी सड़क पुरानी बिटुमिन की है, जो खराब है। दोनों सड़क ऊपर नीचे हैं। इससे आने जाने वालों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

ककरमत्ता आरओबी के स्ट्रीट पोल पर तिरंगी लाइटिंग लगाई जा रही है। सभी स्ट्रीट पोलों को चेक किया जा रहा है। जहां कम लाइटिंग है वहां तेज लाइटिंग लगाई जा रही है। कई जगहों पर हाईमास्ट भी लगाए गए।रात्रि विश्राम के मद्देनजर गेस्ट हाउस के कमरा नंबर 12 व 13 को सजाया जा रहा है। सोमवार की रात्रि में एसएसपीजी के साथ डीआरएम भी डटे रहे। बनारस स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार पर लगी एक्सरे मशीन हटाई गई है। बरेका परिसर के अंडरपास, हेलिपैड मैदान और गेस्ट हाउस सभी जगहों पर प्रधानमंत्री के अगवानी की तैयारी जमकर हो रही है। सिनेमा हॉल मैदान के प्रमुख द्वार का रंग-रोगन कर दिया गया है।

दुष्कर्म के केस में समझौते के लिए ग्रामीण पर चलवाई गोली, पीड़िता के पिता व चाचा पर दर्ज करा दिया केस

अमरोहा, एजेंसी। दुष्कर्म के मुकदमे में फैसले का दबाव बनाने के लिए आरोपी के भाई ने पीड़िता के पिता और चाचा को जानलेवा हमले में नामजद करा दिया। साजिश को अंजाम देने के लिए एक हिस्ट्रीशीटर को सुपारी देकर एक अन्य ग्रामीण पर बाकायदे गोली चलवाई। गोली से घायल ग्रामीण को पेश करके पीड़िता के पिता और चाचा पर हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज करा दिया। सच सामने आते ही पुलिस ने गोली चलाने वाले हिस्ट्रीशीटर मुशीर और गोली से घायल वसीम को गिरफ्तार कर लिया है। वसीम से खुद पर गोली चलवाने और फिर पीड़िता के पिता व चाचा को नामजद कराने के बदले 80 हजार रुपये देने का सौदा किया गया था।

एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि 20 अक्तूबर को अमरोहा के मोहल्ला अहमदनगर निवासी वसीम ने मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी दो सगे भाइयों के खिलाफ गोली मारकर हत्या की कोशिश करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया। घटना संदिग्ध लगने पर डिडौली पुलिस को मामले की निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए थे।

इंस्पेक्टर हरीश वर्धन सिंह के नेतृत्व में हुई जांच में चौंकाने वाला सच सामने आया। एसपी के मुताबिक, जिन दो भाइयों के खिलाफ हत्या की कोशिश का मुकदमा दर्ज कराया गया था, उस परिवार की 15 वर्षीय किशोरी के साथ गांव के रहने वाले अनुज, अरुण और अमन ने 9 मई 2025 को दुष्कर्म किया था। सामूहिक दुष्कर्म के इस मामले में मझोला थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तीनों को जेल भेज दिया था। तीनों को न्यायालय से जमानत नहीं मिली। लिहाजा दुष्कर्म के आरोपी अनुज के भाई रवि ने डिडौली कोतवाली क्षेत्र के वाजिदपुर गांव के रहने वाले मौसा अशोक के साथ मिलकर पीड़ित परिवार को फंसाने की योजना बनाई, जिससे दुष्कर्म के मुकदमे में समझौता हो सके।

जांच में सामने आया कि मौसा अशोक कुमार ने एक आरोपी अनुज के भाई रवि से दुष्कर्म पीड़िता के पिता और चाचा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के बदले तीन लाख रुपये लिए। इसके बाद उसने क्षेत्र के ही गांव गंगादासपुर के रहने वाले अपने दोस्त हिस्ट्रीशीटर कमरे आलम से गोली मारने वाले व्यक्ति के बारे में पूछा। हिस्ट्रीशीटर कमरे आलम ने अपने हिस्ट्रीशीटर दोस्त मुशीर के बारे में बताया और अशोक की मुलाकात कराई। पूरा प्लान समझने के बाद हिस्ट्रीशीटर मुशीर ने 20 हजार रुपये में गोली मारने की घटना का सौदा कर लिया। बाद में अशोक ने वसीम को खुद पर गोली चलवाकर दुष्कर्म पीड़िता के पिता और चाचा के खिलाफ हत्या की कोशिश का मुकदमा दर्ज करने के लिए तैयार कर लिया। इसके एवज में वसीम को 80 हजार रुपये देने तय किए थे।

बाद में सभी आरोपियों ने षड्यंत्र के तहत वसीम के ऊपर जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायर करने के बाद मुकदमा दर्ज करा दिया। वसीम को अशोक कुमार की तरफ से सिर्फ पांच हजार रुपये दिए गए थे। रविवार को पुलिस ने झूठा मुकदमा दर्ज कराने वाले वसीम को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने हकीकत बयां कर दी। इसके बाद पुलिस ने वसीम और हिस्ट्रीशीटर मुशीर को गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने बताया कि विवेचना में दुष्कर्म के आरोपी अनुज के भाई रवि, उसके मौसा अशोक, हिस्ट्रीशीटर मुशीर और दूसरे हिस्ट्रीशीटर कमरे आलम का नाम शामिल कर लिया गया है।

फायर सर्विस में 922 नए पदों पर जल्द शुरू होगी भर्ती प्रक्रिया, इसमें एक भी पद महिलाओं के नहीं

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश पुलिस के अग्निशमन तथा आपात सेवा विभाग के पुनर्गठन के बाद सृजित 922 पदों पर जल्द भर्ती होगी। पुनर्गठन के बाद तीन इकाइयों का गठन किया जाना है जिसमें रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम, एक्सप्रेसवे एक्सीडेंट एंड ट्रॉमा सेंटर तथा स्पेशियली ट्रेंड रेस्क्यू ग्रुप शामिल है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा एक्सप्रेसवे में प्रत्येक 100 किमी की दूरी पर एक फायर टेंडर और स्टाफ की तैनाती की जानी है। साथ ही, रत्येक रीजन में कमांडो की तरह स्पेशल यूनिट बननी है। एक्सप्रेसवे पर तैनात करने के लिए 244 कर्मियों की आवश्यकता है। इसी तरह प्रत्येक रीजन में कमांडो की तरह स्पेशल यूनिट तैयार करने के लिए 183 कर्मियों की जरूरत है। यह केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल, विभिन्न आपात स्थितियों तथा सुपर हाईराइज इमारतों में होने वाली दुर्घटनाओं से निपटने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किए जाएंगे। इसके अलावा रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम के तहत 9 क्षेत्रीय एयरपोर्ट पर अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के लिए जनशक्ति उपलब्ध कराने का भारत सरकार का प्रदेश सरकार के साथ एमओयू हुआ है। इसकी वजह से कुशीनगर, आजमगढ़, श्रावस्ती, कानपुर नगर, अयोध्या, अलीगढ़, मुरादाबाद, चित्रकूट और सोनभद्र एयरपोर्ट के लिए 420 कर्मियों की आवश्यकता है। वर्तमान में जिलों से ही कर्मियों को एयरपोर्ट पर तैनात किया गया है।

अभिषेक हत्याकांडः पूजा शकुन-अशोक पांडेय सहित दोनों शूटरों के खिलाफ चार्जशीट दायर, विवेचना में ये आया सामने

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ के बहुचर्चित बाइक शोरूम संचालक अभिषेक गुप्ता हत्याकांड में पूजा शकुन-अशोक पांडेय दंपती सहित दोनों शूटरों के खिलाफ 38वें दिन चार्जशीट दायर कर दी गई है। 33 पेज की चार्जशीट में अभिषेक के इस परिवार से करीबी रिश्तों में दूरी कायम होना व अब बाइक शोरूम में साझेदारी न करने के चलते शूटरों से हत्या कराने का आरोप है।

मूल रूप से हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र के कस्बा कचौरा के अभिषेक गुप्ता की हत्या 26 सितंबर की देर शाम रोरावर क्षेत्र के खेरेश्वर चौराहा पर हुई थी। हत्याकांड का आरोप उस समय महामंडलेश्वर व अखिल भारत हिंदू महासभा की राष्ट्रीय सचिव अन्नपूर्णा भारती उर्फ पूजा शकुन पांडेय व उनके पति महासभा के प्रवक्ता अशोक पांडेय पर लगा। पुलिस ने क्रमवार अशोक पांडेय, शूटर फजल, आसिफ

व पूजा शकुन को जेल भेजा था। इसी बीच मुकदमे में नाम आने के चलते पूजा से महामंडलेश्वर का पद छीना गया।

अभिषेक गुप्ता हत्याकांड में पांडेय दंपती व हत्या करने वाले दोनों शूटरों पर चार्जशीट दायर कर दी गई है। इसमें करीबी रिश्तों में दूरी बनने व रुपयों के विवाद के साथ-साथ अब व्यापारिक साझेदारी न करने की खुन्नस में हत्या कराया जाना जांच व साक्ष्यों से आधार बना है। अब जल्द मुकदमे का ट्रायल शुरू कराने का प्रयास होगा। - मयंक पाठक, एसएसपी, सीओ प्रथम

ये पाया गया विवेचना में : जांच में पुलिस ने पाया कि पूजा का मायका अभिषेक के गांव में है। दोनों परिवारों में कभी अच्छे रिश्ते थे। परिवार ने अभिषेक को पूजा के घर पढ़ने भेजा था। तभी से वह उससे रुपये ऐंठने लगी। बाद में अभिषेक का पूजा से बेहद करीबी रिश्ता हो गया। जिसके चलते उसने खुद शादी नहीं की। परिवार ने अभिषेक के छोटे भाई की शादी कर दी। बाद में दोनों के बीच कुछ ऐसी बात हुई, जिसके चलते अभिषेक ने दूरी बना ली। अलग होने के बाद जब अभिषेक ने खुद का शोरूम खोला तो उसमें पूजा का साझेदार करने का प्रस्ताव ठुकरा दिया। इसके बाद वे उसके खिलाफ शिकायतें करने व उसके फंसाने की साजिश रचने लगे। जब बात नहीं बनी तो इसी खुन्नस में अपने यहां काम करने वाले मिस्त्री व उसके सहयोगी को तीन लाख रुपये की सुपारी देकर ये हत्या कराई गई।

बुखार और सीने में दर्द के 28 मरीज भर्ती

रायबरेली , एजेंसी। जिले में जुकाम, बुखार, डायरिया, सीने में दर्द और सांस के मरीज थम नहीं रहे हैं। सोमवार को भी 28 से अधिक मरीजों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। ओपीडी में भी सुबह से ही भीड़ रही। ब्लड की जांच कराने के लिए पैथोलॉजी में लंबी लाइन लगी। परचा व दवा काउंटरों पर भी भीड़ रही।

सोमवार को बुखार के चपेट में आने के बाद नैतिक (7), अमन (30), लक्ष्मी (1), अजय (42), ज्योति (30), पप्पू (22), सुरेखी (60), आदेश कुमार (3), कृष्णा देवी (55), प्रांशु (28), पूजा (11), राज कुमारी (32), रामदेवी (48), रामखेलावन (58), आदित्य (43) आदि को भर्ती कराया गया। सीने में दर्द बढ़ने पर चंद्रावती (65), सताना (52), जगदेव यादव (75) आदि मरीजों को भर्ती कर इलाज शुरू किया गया।

उधर, ओपीडी में सुबह से ही मरीजों की भीड़ देखने को मिली। परचा बनवाने के बाद ओपीडी कक्षों के बाहर मरीजों ने बारी आने का इंतजार किया। मेडिसिन विभाग के साथ ही हॉर्ट रोग विभाग में सबसे ज्यादा भीड़ रही। दवा लेने के लिए भी मरीजों ने घंटों लाइन में लगकर इंतजार किया। ब्लड की जांच कराने के लिए पैथोलॉजी में भी भीड़ रही।

हॉर्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. सलीम ने बताया कि ठंड बढ़ रही है। ऐसे में लोग एहतियात बरतें। ठंड और कोहरे से बचने का प्रयास करें। समस्या होने पर नजदीक के अस्पताल पहुंचकर इलाज कराएं।

फाइनल से पहले अमनजोत का ध्यान न भटके

इसलिए परिवार वालों ने छुपाई थी दादी के हार्ट अटैक की बात

नई दिल्ली । भारत की महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार महिला वनडे वर्ल्ड कप जीता। नवी मुंबई के डी.वाई. पाटिल स्टेडियम में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया। लेकिन इस जीत के पीछे एक भावनात्मक कहानी छिपी थी। कहानी ऑलराउंडर अमनजोत कौर की, जिसे उसके परिवार ने एक बड़ी सच्चाई से दूर रखा, ताकि उसका ध्यान सिर्फ क्रिकेट पर रहे।

दादी को आया दिल का दौरा– अमनजोत के पिता भूपिंदर सिंह, जो पेशे से बढ़ई और ठेकेदार हैं, अपनी 75 वर्षीय मां भगवंती कौर को पिछले हफ्ते दिल के दौरे के बाद अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन उन्होंने यह बात अपनी बेटी अमनजोत से छुपा ली। कारण था- वर्ल्ड कप का फाइनल और बेटी का ध्यान खेल में बनाए रखना। भूपिंदर ने बताया, 'अमनजोत को एहसास हो गया था कि 'बीजी' (दादी) ठीक नहीं हैं। पहले उसने अपनी बहन को फोन किया, तो उसने कहा कि वह गुरुद्वारे में हैं। फिर उसने मुझे फोन किया और कहा कि बीजी से वीडियो कॉल कराओ। काफी जोर देने के बाद मैंने अपनी मां से कहा कि आज उसकी जिंदगी का सबसे बड़ा मैच है, उसे शुभकामनाएं दो। बीजी ने उसे 'ऑल द बेस्ट' कहा।'

भूपिंदर ने अमनजोत से छिपाई सच्चाई!– भूपिंदर ने बताया, 'मैंने अमनजोत से कहा कि बीजी की तबीयत थोड़ी ठीक नहीं है, बस लो बीपी है, पर दिल के दौरे की बात नहीं बताई। फाइनल के बाद ही हमने सच्चाई बताई।' इसी एक ऑल द बेस्ट ने अमनजोत की जिंदगी बदल दी। उनके आशीर्वाद ने अमनजोत को विश्व चैंपियन बना दिया। भूपिंदर ने आगे बताया कि अब अमनजोत ने डॉक्टरों से बात की है और दादी के आगे के टेस्ट होने वाले हैं।

'वो मेरी पोती नहीं, मेरे पोते से भी बढ़कर है', बोलीं दादी– दिल का दौरा झेल चुकी भगवंती कौर आज भी अपनी पोती पर गर्व महसूस करती हैं। उन्होंने कहा, 'वो मेरी पोती ही नहीं, मेरे पोते से भी बढ़कर है।' जब अमनजोत बचपन में मोहल्ले के लड़कों के साथ क्रिकेट खेलती थी, तो भगवंती एक कुर्सी लेकर पार्क में बैठ जाती थीं। वे यह भी देखती थीं कि कोई उसकी पोती को तंग न करे।

मीराबाई चानू का भार वर्ग 2028 ओलंपिक से हटाया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा का मानना है कि 53 किग्रा तक वजन बढ़ाना चानू के लिए फायदेमंद होगा, लेकिन उन्होंने कहा कि मणिपुर की यह खिलाड़ी अगले साल एशियाई खेलों तक अपने पुराने वजन वर्ग में ही खेलती रहेगी। स्टार भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू का 49 किग्रा का भार वर्ग 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों से हटा दिया गया है और अब उन्हें 53 किग्रा वजन वर्ग में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा लेकिन वह इसके लिए तैयार हैं।

चानू ने टोक्यो ओलंपिक में 49 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता था। लेकिन अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने ओलंपिक में भारोत्तोलन स्पर्धाओं की कुल संख्या 12 कर दी है जिससे 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में महिलाओं के लिए न्यूनतम वर्ग अब 53 किग्रा है। भारत के मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा का मानना है कि 53 किग्रा तक वजन बढ़ाना चानू के लिए फायदेमंद होगा, लेकिन उन्होंने कहा कि मणिपुर की यह खिलाड़ी अगले साल एशियाई खेलों तक अपने पुराने वजन वर्ग में ही खेलती रहेगी।

शर्मा ने कहा, 'यह (49 किग्रा वजन वर्ग को हटाना) मीराबाई के लिए अच्छी बात है क्योंकि अपना वजन 48 किग्रा तक कम करना काफी कठिन प्रक्रिया थी।' अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) ने सोमवार देर रात एक बयान में कहा, 'आईओसी द्वारा लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में भारोत्तोलन कार्यक्रम को बढ़ाने के उत्साहजनक फैसले के बाद अब 12 स्पर्धाएं (छह पुरुष, छह महिलाएं) आयोजित की जाएंगी।' यह दूसरी बार है जब आईडब्ल्यूएफ ने एक वर्ष से भी कम समय में श्रेणियों में बदलाव किया है। चानू इस साल की शुरुआत में 48 किग्रा वर्ग में आ गई थीं, जब आईडब्ल्यूएफ ने ओलंपिक से 49 किग्रा वर्ग को हटा दिया था। हालांकि अब 49 किग्रा वर्ग को विश्व चैंपियनशिप जैसी प्रतियोगिताओं में फिर से शामिल कर लिया गया है, लेकिन यह ओलंपिक में शामिल नहीं होगा। चानू ने इस वर्ष राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण और विश्व चैंपियनशिप में 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता था। यह 31 वर्षीय खिलाड़ी अगले साल होने वाले एशियाई खेलों तक 48 किग्रा/49 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करती रहेंगी। उसके बाद, ओलंपिक की तैयारी के लिए धीरे-धीरे 53 किग्रा वर्ग में आगे बढ़ने के लिए उनके पास दो साल का समय होगा।

शर्मा ने कहा, 'फिलहाल वह एशियाई खेलों तक इसी भार वर्ग में खेलेंगी, उसके बाद हम वजन को 53 किलोग्राम में बदलने की प्रक्रिया शुरू करेंगे।' महिला ओलंपिक श्रेणियों में अब 53 किग्रा, 61 किग्रा, 69 किग्रा, 77 किग्रा, 86 किग्रा, 86 किग्रा से अधिक शामिल है, जबकि पुरुष 65 किग्रा, 75 किग्रा, 85 किग्रा, 95 किग्रा, 110 किग्रा, 110 किग्रा से अधिक भार वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

महिला विश्व कप:

आईसीसी की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में सिर्फ तीन भारतीय खिलाड़ी

दुबई (एजेंसी)। यह चौंकाने वाला रहा कि टूर्नामेंट में निरंतर प्रदर्शन करने वालीं प्रतिका रावल इस टीम में नहीं हैं। वह सेमीफाइनल से पहले चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थीं। वोल्वार्ट को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। भारत की वर्ल्ड कप विजेता टीम की तीन धाकड़ खिलाड़ी, स्मृति मंधाना, जेमिमा रॉड्रिग्स और दीप्ति शर्मा को आईसीसी महिला वनडे विश्व कप टीम ऑफ द टूर्नामेंट में जगह मिली है। इन तीनों खिलाड़ियों ने भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

भारत ने रविवार को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर अपना पहला महिला विश्व कप खिताब जीता था। हालांकि, यह चौंकाने वाला रहा कि टूर्नामेंट में निरंतर प्रदर्शन करने वालीं प्रतिका रावल इस टीम में नहीं हैं। वह सेमीफाइनल से पहले चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थीं। इसके अलावा उपविजेता दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की भी तीन-तीन खिलाड़ियों को ही जगह मिली है।

भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन: स्मृति मंधाना ने पूरे टूर्नामेंट में 434 रन बनाए और उनका औसत 54.25 का रहा। उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक जड़े। न्यूजीलैंड के खिलाफ 109 रनों की पारी उनकी सबसे यादगार रही, जबकि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 80 और 88 रनों की पारियां खेलीं। जेमिमा रॉड्रिग्स ने 292 रन बनाए और उनका औसत 58.40 का रहा। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 127 नाबाद रन रहा।

इसी पारी की बदौलत भारत फाइनल में पहुंचा। न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 76 रन और फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 24 रनों की पारी भी टीम के लिए अहम साबित हुई। दीप्ति शर्मा को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। उन्होंने बल्ले से 215 रन बनाए और गेंद से 22 विकेट झटके।

फाइनल में उन्होंने 5/39 के आंकड़े के साथ भारत को जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई और साथ ही 58 रनों की पारी खेली।

वोल्वार्ट को कप्तान की जिम्मेदारी

रनर-अप दक्षिण अफ्रीका की तीन खिलाड़ी भी इस टीम में शामिल हैं। इनमें एल वोल्वार्ट (कप्तान), मारिजाने कैप, और नादिन डी क्लार्क शामिल हैं। वोल्वार्ट को इस टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 571 रन (औसत 71.37) बनाए और महिला विश्व कप इतिहास में एक संस्करण में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ा।

पाकिस्तान ने विमेंस टीम के हेड कोच को हटाया

कराची (एजेंसी)। विमेंस वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तानी टीम के हेड कोच मुहम्मद वसीम को हटा दिया गया है। पाकिस्तानी टीम 2 नंवबर को समाप्त हुए टूर्नामेंट में एक भी मुकाबला नहीं जीत सकी और पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे रही।हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान के हेड कोच मुहम्मद वसीम ने खुद टीम छोड़ दी है।भारत की महिला टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराते हुए पहली बार टाइटल जीता।2 नवंबर को भारत ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराते हुए पहला टाइटल जीता।

पीसीबी ने कहा- वसीम का कॉन्ट्रैक्ट वर्ल्ड कप के साथ समाप्त हो गया है। बोर्ड ने इसे नहीं बढ़ाने का फैसला लिया है। जल्द ही नए कोच की नियुक्ति की जाएगी।

बीसीसीआई ने सीनियर महिला इंटर जोनल टी-20 ट्रॉफी के लिए टीमों की घोषणा की

शेफाली वर्मा को मिली कप्तानी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की जोनल सिलेक्शन कमेटियों ने मंगलवार को सीनियर महिला इंटर जोनल टी20 ट्रॉफी के लिए टीमों की घोषणा की, जिसमें भारत की वर्ल्ड कप चैंपियन शेफाली वर्मा को नॉर्थ जोन टीम का कप्तान बनाया गया है। इस टूर्नामेंट में छह टीमें हिस्सा लेंगी जिनके नाम सेंट्रल जोन, ईस्ट जोन, वेस्ट जोन, नॉर्थ जोन, नॉर्थ ईस्ट जोन और साउथ जोन हैं। यह टूर्नामेंट 4 से 14 नवंबर तक नागालैंड में होगा।

शैफाली वर्मा भारत की वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम की एकमात्र खिलाड़ी हैं जो सीनियर महिला इंटर जोनल टी20 ट्रॉफी में हिस्सा ले रही हैं। इस 21 साल की खिलाड़ी ने ग्लोबल टूर्नामेंट में सिर्फ दो मैच खेले थे, उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से पहले प्रतिका रावल के चोटिल होने के बाद टीम में शामिल किया गया था।

उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच में मैच जिताने वाला प्रदर्शन किया और अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गईं, जहां उन्होंने पहली पारी में 87 रन बनाए और फिर अगली पारी में दो अहम विकेट लिए। टीमों में एक और खास नाम निकी प्रसाद का है, जो वर्मा की दिल्ली कैपिटल्स की टीममेट और 2025 19 वर्ल्ड कप जीतने वाली कप्तान हैं, जो इस टूर्नामेंट में साउथ जोन की कप्तानी करेंगी।

विश्वकप के दूसरे दौर में पहुंचे ग्रैंडमास्टर नारायणन

भारतीय खिलाड़ी ने पेरू के स्टीवन को दी मात

पणजी (गोवा)। भारत के एसएल नारायणन ने पेरू के स्टीवन रोजास को हराकर शतरंज विश्वकप 2025 के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। वह टाई ब्रेकर के जरिए राउंड ऑफ–128 में पहुंचने वाले पहले गैरवरीय खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पेरू के ग्रैंडमास्टर स्टीवन रोजास को 3–1 से मात दी।

पहले दो मुकाबले ड्रॉ रहने के बाद उन्होंने शानदार खेल दिखाया और दो मुकाबले अपने नाम किए। अब उनका मुकाबला इंग्लैंड के निकिता वित्यूगोव से होगा। उनके बाद भारत के दिप्तायन घोष ने चीन के पेंग शियोंगजियन से दोनों टाई–ब्रेकर गेम जीतकर क्वालिफाई किया। वह दूसरे दौर में अमेरिकी इयान नेपोम्नियाची से भिड़ेंगे। वी प्रणव ने अल्जीरिया के अला एद्दिने बौलरेन्स को 2–0 से, रौनक साधवानी ने डेनियल बैरिश को 1.5–0.5 से, एम प्रणेश ने सतबेक अख्मेदिनोव को 1.5–0.5 से मात दी। एजेंसी

पहले ही दौर में हारकर बाहर हुईं दिव्या देशमुख

विश्वकप में एकमात्र महिला खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख पहले दौर में ही हारकर बाहर हो गईं। उन्हें पहले दौर में ग्रीस के ग्रैंडमास्टर स्टामाटिस कौरकौलोस–आर्दितिस से दोनों मुकाबले हारकर बाहर हो गईं। भारत के अन्य शीर्ष खिलाड़ी डी.गुकेश, आर प्रगनानंदा, अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती को पहले दौर में बाय मिला है। वह अगले दौर में खेलते नजर आएंगे।

दिल्ली के क्रिकेटर अनऑफिशयल टूर्नामेंट नहीं खेल सकेंगे

श्रीनगर में विवाद के बाद डीडीसीए का आदेश; लीग छोड़कर भागे आयोजक, गेल-शाकिब फंस गए थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीनगर में आयोजित इंडियन हेवन प्रीमियर लीग में विवाद के बाद डीडीसीए ने अपने क्रिकेटर, सपोर्ट स्टाफ और मैच ऑफिशियल को आदेश दिया है कि वे किसी भी अनाधिकृत टूर्नामेंट में हिस्सा न लें।

दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन ने मंगलवार को एक लेटर जारी किया। इसमें कहा गया कि कार्यकाल के दौरान किसी भी अनाधिकृत टूर्नामेंट में हिस्सा लेने पर कार्यवाही की जाएगी।

सोमवार (3 नवंबर) को दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल, बांग्लादेशी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन और डेवोन स्मिथ श्रीनगर के एक होटल में फंस गए थे, क्योंकि आईएचपीएल के आयोजक टूर्नामेंट को बीच में छोड़कर भाग गए थे।

आयोजक भागे, टूर्नामेंट रद्द करना पड़ा: मोहाली की युवा सोसाइटी ने श्रीनगर में इंडियन हेवन प्रीमियर लीग का आयोजन किया। 25 अक्टूबर को शुरू हुई इस लीग का फाइनल मैच 8 नवंबर को खेला जाना था। लेकिन, आयोजक लीग को बीच में छोड़कर भाग गए। खिलाड़ियों को भुगतान न मिलने के कारण लीग अचानक बीच में ही रद्द कर दी गई। इधर, होटल प्रबंधन ने खिलाड़ियों को बाहर जाने से रोक दिया गया, क्योंकि उनका पेमेंट नहीं हुआ था।

इस मामले का खुलासा तब हुआ, जब इंग्लैंड की अंपायर मेलिसा जूनिपर ने कहा- हमें कोई भुगतान नहीं किया गया है। होटल स्टाफ ने हमें बताया कि आयोजक फरार हो गए हैं। पुलिस होटल पहुंची, लेकिन अब तक किसी कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लीग में 8 टीमों ने हिस्सा लिया था।

एसीसी राइजिंग स्टार्स एशिया कप, इंडिया-ए टीम का ऐलान

जितेश शर्मा कप्तानी करेंगे, भारत-पाकिस्तान मुकाबला 16 नवंबर को खेला जाएगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। एसीसी राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए इंडिया-ए टीम का ऐलान हो गया है। सीनियर मेंस सिलेक्शन कमिटी ने मंगलवार को टीम का ऐलान किया। यह टूर्नामेंट 14 से 23 नवंबर, 2025 तक दोहा के वेस्ट एंड इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए इंडिया-ए टीम जितेश शर्मा (कप्तान, विकेटकीपर), नमन धीर (उप-कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नेहल वढ़ेरा, सूर्यांश शेडगे, रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा, यश ठाकुर, गुरजपनीत सिंह, विजय कुमार वैशाक, युधवीर सिंह चरक, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सुयश शर्मा। टूर्नामेंट का महामुकाबला यानी भारत-पाकिस्तान मैच 16 नवंबर को खेला जाएगा। सभी मुकाबले कतर के दोहा शहर में होंगे। एसीसी ने शुक्रवार को टूर्नामेंट के शेड्यूल का ऐलान किया। इसमें आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप-ए में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, हॉन्ग कॉन्ग और श्रीलंका हैं, जबकि ग्रुप-बी में भारत, ओमान, पाकिस्तान और यूएई हैं। टूर्नामेंट जिसे पहले एसीसी इमर्जिंग टीम्स एशिया कप के नाम से जाना जाता था, टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा।

राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित

जितेश कप्तान, वैभव-प्रियांश को भी मौका

मुंबई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ब्बष्टढ्ढ) ने आगामी राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2025 के लिए भारत ए टीम की घोषणा कर दी है। जितेश शर्मा को टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जबकि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी और आईपीएल स्टार प्रियांश आर्या को टीम में जगह मिली है। यह टूर्नामेंट 14 से 23 नवंबर तक दोहा (कतर) में खेला जाएगा। भारतीय टीम को ग्रुप बी में रखा गया है, जिसमें ओमान, यूएई और पाकिस्तान की टीमें भी शामिल हैं। वहीं ग्रुप ए में बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान और हॉन्गकॉन्ग की टीमें शामिल हैं।

जितेश शर्मा कप्तान, आईपीएल सितारे टीम का हिस्सा– जितेश शर्मा, जो फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम के साथ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रहे हैं, अब एशिया कप में भारत ए की अगुआई करेंगे। वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (ऋष्टक्च) की खिताब विजेता टीम का हिस्सा भी रह चुके हैं और कप्तानी भी संभाल चुके हैं। जितेश ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 में 22 रन की नाबाद पारी खेलकर भारत को जीत दिलाई थी। उनके अनुभव और नेतृत्व से युवा खिलाड़ियों को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है।

वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्या को भी मौका– 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी इस टूर्नामेंट के सबसे युवा खिलाड़ी हैं। वह इस साल आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए 101 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर टी20 क्रिकेट के सबसे कम उम्र के सेंचुरियन बने थे। उन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अंडर-19 टेस्ट में भी शतक जमाया था। वहीं, प्रियांश आर्या, जिन्होंने पंजाब किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था, ने सितंबर में भारत ए बनाम ऑस्ट्रेलिया ए के अनाधिकारिक वनडे में भी शतक जड़ा था।

भारत ए टीम

जितेश शर्मा (कप्तान एवं विकेटकीपर), नमन धीर (उपकप्तान), प्रियांश आर्या, वैभव सूर्यवंशी, नेहल वढेरा, सूर्यांश शेडगे, रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, यश ठाकुर, गुरजपनीत सिंह, विजय कुमार वैशाक, युधवीर सिंह चारक, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सुयश शर्मा, आशुतोष शर्मा। स्टैंडबाय खिलाड़ी : गुरनूर सिंह बरार, कुमार कुशाग्र, तनुश कोटियन, समीर रिजवी, शेख रशीद।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप का प्रारूप

यह टूर्नामेंट पहले इंडिया इमर्जिंग कप के नाम से जाना जाता था, जो मुख्य रूप से अंडर–23 टूर्नामेंट था। इसे इमर्जिंग टीम एशिया कप भी कहा गया है, लेकिन अब भारत समेत कई देशों ने इसमें युवा और सीनियर खिलाड़ियों का मिश्रण शामिल किया है ताकि प्रतिभा और अनुभव का संतुलन बना रहे। अब तक इस टूर्नामेंट के छह संस्करण हो चुके हैं। पिछले छह संस्करणों में भारत सिर्फ एक बार साल 2013 में पहले संस्करण में चैंपियन बना था। तब भारत ने पाकिस्तान को हराया था। इसके बाद 2017 और 2018 में श्रीलंका की टीम ने खिताब जीता। 2019 और 2023 में पाकिस्तान ने खिताब पर कब्जा जमाया, जबकि 2024 में अफगानिस्तान की टीम चैंपियन बनी।